SAMPLE

MindSutra Software Technologies

A - 16, Ramdutt Enclave, Milap Nagar

Uttam Nagar, New Delhi - 110059

श्रीगणेशाय नमः

गणानां त्वां गणपतिं हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आ नः शृण्वन्नूतिभिः सीद सादनम् ।।

नवग्रहस्तोत्र

जपाकुसुमसंकाशं काश्पेयं महाद्युतिम्। तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम्।।
दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदार्णवसम्भवम्। नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुटभूषणम्।।
धरणीगर्भसम्भूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम्। कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम्।।
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम्। सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम्।।
देवानां च ऋषिणां च गुरुं कांचनसंनिभम्। बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम्।।
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम्। सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम्।।
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्। छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम्।।
अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम्। सिंहिकागर्भसम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम्।।
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम्। रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम्।।

फलश्रुति

इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत् सुसमाहितः।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भविष्यति।
नरनारीनृपाणां च भवेद्दुःस्वप्ननाशम्।
ऐश्वर्यमतुलं तेषामारोग्यं पुष्टिवर्धनम्।।
ग्रहनक्षत्रजाः पीडस्तस्कराग्निसमुद्रवाः ।
ताः सर्वाः प्रशमं यान्ति व्यासो ब्रूते न संशयः ।।

इति श्री व्यासविरचितं आदित्यादिनवग्रहस्तोत्रं संपूर्णम् ।।

जो जपापुष्प के समान अरुणिम आभावाले, महान तेज से संपन्न, अंधकार के विनाशक, सभी पापों को दूर करने वाले तथा महर्षि कश्यप के पुत्र हैं, उन सूर्य को मैं प्रणाम करता हूं। जो दधि, शंख तथा हिम के समान आभा वाले, क्षीर समुद्र से प्रादुर्भूत, भगवान शंकर के शिरोभूषण तथा अमृतस्वरुप हैं, उन चंद्रमा को मैं नमस्कार करता हूं। जो पृथ्वी देवी से उद्भूत, विद्युत् की कान्ति के समान प्रभावाले, कुमारावस्था वाले तथा हाथ में शक्ति लिए हुए हैं, उन मंगल को मैं प्रणाम करता हूं। जो प्रियंगु लता की कली के समान गहरे हरित वर्ण वाले, अतुलनीय सौन्दर्य वाले तथा सौम्य गुण से संपन्न हैं, उन चंद्रमा के पुत्र बुध को मैं प्रणाम करता हूं। जो देवताओं और ऋषियों के गुरु हैं, स्वर्णिम आभा वाले हैं, ज्ञान से संपन्न हैं तथा लोकों के स्वामी हैं, उन बृहस्पति जी को मैं नमस्कार करता हूं। जो हिम, कुन्दपुष्प तथा कमलनाल के तन्तु के समान श्वेत आभा वाले, दैत्यों के परम गुरु, सभी शास्त्रों के उपदेष्टा तथा महर्षि भृगु के पुत्र हैं, उन शुक्र को मैं प्रणाम करता हूं। जो नीले कज्जल के समान आभा वाले, सूर्य के पुत्र, यमराज के ज्येष्ठ भ्राता तथा सूर्य पत्नी छाया तथा मार्तण्ड से उत्पन्न हैं, उन शनैश्चर को मैं नमस्कार करता हूं। जो आधे शरीर वाले हैं, महान पराक्रम से संपन्न हैं, सूर्य तथा चंद्र को ग्रसने वाले हैं तथा सिंहिका के गर्भ से उत्पन्न हैं, उन राहु को मैं प्रणाम करता हूं। पलाश पुष्प के समान जिनकी आभा है, जो रुद्र स्वभाव वाले और रुद्र के पुत्र हैं, भयंकर हैं, तारकादि ग्रहों में प्रधान हैं, उन केतु को मैं प्रणाम करता हूं। भगवान वेदव्यास जी के मुख से प्रकट इस स्तुति का जो दिन में अथवा रात में एकाग्रचित्त होकर पाठ करता है, उसके समस्त विघ्न शान्त हो जाते हैं, स्त्री–पुरुष और राजाओं के दुःस्वप्नों का नाश हो जाता है। पाठ करने वालों को अतुलनीय ऐश्वर्य और आरोग्य प्राप्त होता है तथा उनके पुष्टि की वृद्धि होती है।

ज्योतिष सारिणी

मुख्य विवरण

जन्म दिनाकं	18:01:1985(शुक्रवार)
जन्म समय	13:56:00
जन्म स्थान	new delhi
अक्षांश	028:36:00N
रेखांश	077:12:00E
यु./ग्रीष्म समय संस्कार	-00:00
जी. एम. टी. समय	008:26:00
स्थानीय समय	013:34:48 hrs
सांपातिक काल	021:25:33 hrs
स्थानीय समय संस्कार	-000:21:12
अयनांश	N.C.Lahiri(023:38:53)
सूर्योदय	07:17:15AM
सूर्यास्त	05:45:59PM
विक्रम संवत	2042
शक संवत	1907
संवत्सर	क्रोधन
संवत्सर अधिपति	भग

घात चक्र

राशि (सूर्य)	कुम्भ
मास	फाल्गुन
तिथि	5,10,15
वार	शुक्रवार
नक्षत्र	अश्लेषा
प्रहर	4
लग्न	सिहं
सूर्य सिद्धान्त योग	वज्र
करण	चतुश्पद

अवकहड़ा चक्र

लग्न	वृष
लग्नाधिपति	शुक्र
राशि (चन्द्रमा)	धनु
राशिपति	बृहस्पति
नक्षत्र	मूला
नक्षत्रपति	केतु
नक्षत्र चरण	1
ऋतु	बसन्त
मास	चैत्र
पक्ष	कृष्ण
तिथि	त्रयोदशी
तिथि श्रेणी	जया
तिथि पति	बृहस्पति
करण	गरिज
करण श्रेणी	चर
करणपति	वासुदेव
गण	राक्षस
योनि	हस्त (स्त्री)
वर्ण	क्षत्रिय
सूर्य सिद्धान्त योग	ध्रुव
रज्जु	पद
वश्य	चतुश्पद
तत्व	वाय
विहग	कुक्कुट
तत्वाधिपति	शनि
नाड़ी	आदि
नाड़ी पद	आदि
वेध	अश्लेषा
आद्याक्षर	Yay
पाया	लौह

ग्रह स्थिती

लग्न कुण्डली

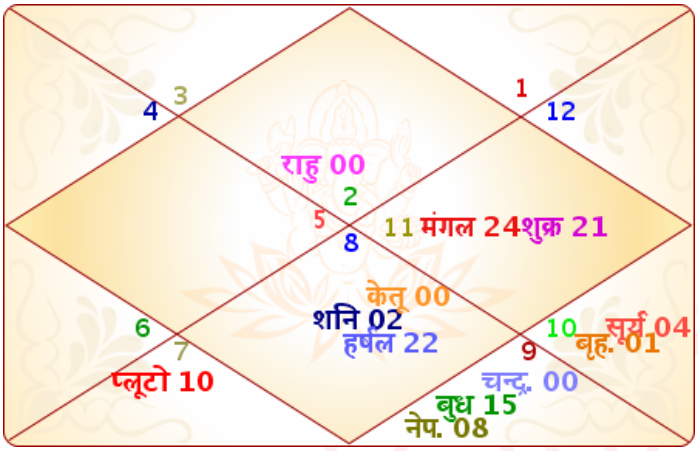

नवांमश कुण्डली

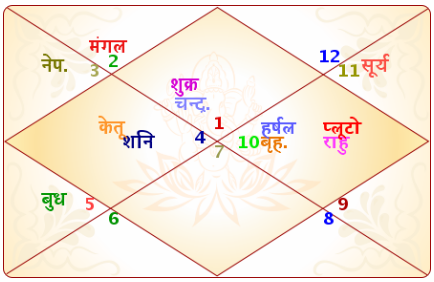

चन्द्र कुण्डली

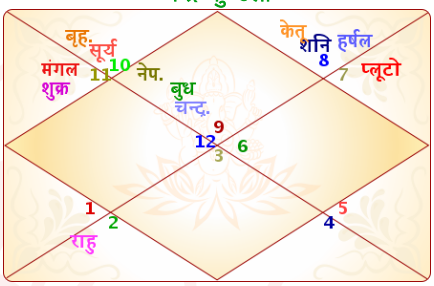

ग्रह स्थिती

ग्रह	राशि	अंश	गति	रा. पति	नक्षत्र	च.	न	न. पति	नवांश	नव. पति	विशेष
लग्न	वृष	11:52:59	...	शुक्र	रोहिणी	1	4	चन्द्रमा	मेष	मंगल	
सूर्य	मकर	04:33:02	01:01:06	शनि	उत्तरा	3	21	सूर्य	कुम्भ	शनि	स्व नक्षत्र
चन्द्रमा	धनु	00:41:13	13:34:25	बृहस्पति	मूला	1	19	केतु	मेष	मंगल	सम राशि
मंगल	कुम्भ	24:43:13	00:45:35	शनि	पूर्वाभाद	2	25	बृहस्पति	वृष	शुक्र	सम राशि
बुध	धनु	15:20:42	01:25:08	बृहस्पति	पूर्वाषाढ़	1	20	शुक्र	सिहं	सूर्य	सम राशि
बृहस्पति (ग्र.)	मकर	01:52:05	00:14:04	शनि	उत्तरा	2	21	सूर्य	मकर	शनि	नीच राशि
शुक्र	कुम्भ	21:32:35	01:02:30	शनि	पूर्वाभाद	1	25	बृहस्पति	मेष	मंगल	मित्र राशि
शनि	वृश्चिक	02:34:29	00:04:32	मंगल	विशाखा	4	16	बृहस्पति	कक्र	चन्द्रमा	शत्रु राशि
राहु (व.)	वृष	00:35:05	00:03:10	शुक्र	कृतिका	2	3	सूर्य	मकर	शनि	उच्च राशि
केतु (व.)	वृश्चिक	00:35:05	00:03:10	मंगल	विशाखा	4	16	बृहस्पति	कक्र	चन्द्रमा	उच्च राशि
हर्षल	वृश्चिक	22:38:55	00:02:57	मंगल	ज्येष्ठा	2	18	बुध	मकर	शनि	...
नेपच्यून	धनु	08:28:17	00:02:05	बृहस्पति	मूला	3	19	केतु	मिथुन	बुध	...
प्लूटो	तुला	10:59:55	00:00:40	शुक्र	स्वाति	2	15	राहु	मकर	शनि	...

ग्रह से भाव (भाव मध्य) के बीच की दूरी

	लग्न	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु	हर्षल	नेपच्यून	प्लूटो
लग्न	..	233	199	283	213	230	280	171	349	169	191	207	149
सूर्य	127	..	326	50	341	357	47	298	116	296	318	334	276
चन्द्रमा	161	34	..	84	15	31	81	332	150	330	352	8	310
मंगल	77	310	276	..	291	307	357	248	66	246	268	284	226
बुध	147	19	345	69	..	17	66	317	135	315	337	353	296
बृहस्पति	130	3	329	53	343	..	50	301	119	299	321	337	279
शुक्र	80	313	279	3	294	310	..	251	69	249	271	287	229
शनि	189	62	28	112	43	59	109	..	178	358	20	36	338
राहु	11	244	210	294	225	241	291	182	..	180	202	218	160
केतु	191	64	30	114	45	61	111	2	180	..	22	38	340
हर्षल	169	42	8	92	23	39	89	340	158	338	..	16	318
नेपच्यून	153	26	352	76	7	23	73	324	142	322	344	..	303
प्लूटो	211	84	50	134	64	81	131	22	200	20	42	57	..

विंशोत्तरी दशा

जन्म के समय विंशोत्तरी भोग्य दशा (अयनाश : 023:38:53) चन्द्रमा 6.0 व.7.0 म.21 द.

क्र0 स0	ग्रह दशा	अवधि	से
1	केतु	6.0 y.7.0 m.21 d.	18:01:1985
2	शुक्र	20.0 y.0.0 m.0 d.	08:09:1991
3	सूर्य	6.0 y.0.0 m.0 d.	08:09:2011
4	चन्द्रमा	10.0 y.0.0 m.0 d.	08:09:2017
5	मंगल	7.0 y.0.0 m.0 d.	08:09:2027
6	राहु	18.0 y.0.0 m.0 d.	08:09:2034
7	बृहस्पति	16.0 y.0.0 m.0 d.	08:09:2052
8	शनि	19.0 y.0.0 m.0 d.	08:09:2068
9	बुध	17.0 y.0.0 m.0 d.	08:09:2087

केतु दशा

अन्तर्दशा	से
केतु	18:01:1985
शुक्र	04:02:1985
सूर्य	06:04:1986
चन्द्रमा	12:08:1986
मंगल	13:03:1987
राहु	09:08:1987
बृहस्पति	27:08:1988
शनि	03:08:1989
बुध	11:09:1990

शुक्र दशा

अन्तर्दशा	से
शुक्र	08:09:1991
सूर्य	08:01:1995
चन्द्रमा	08:01:1996
मंगल	08:09:1997
राहु	08:11:1998
बृहस्पति	08:11:2001
शनि	09:07:2004
बुध	08:09:2007
केतु	10:07:2010

सूर्य दशा

अन्तर्दशा	से
सूर्य	08:09:2011
चन्द्रमा	27:12:2011
मंगल	27:06:2012
राहु	02:11:2012
बृहस्पति	27:09:2013
शनि	16:07:2014
बुध	27:06:2015
केतु	03:05:2016
शुक्र	08:09:2016

चन्द्रमा दशा

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	08:09:2017
मंगल	10:07:2018
राहु	08:02:2019
बृहस्पति	09:08:2020
शनि	09:12:2021
बुध	10:07:2023
केतु	09:12:2024
शुक्र	10:07:2025
सूर्य	10:03:2027

मंगल दशा

अन्तर्दशा	से
मंगल	08:09:2027
राहु	05:02:2028
बृहस्पति	23:02:2029
शनि	29:01:2030
बुध	10:03:2031
केतु	06:03:2032
शुक्र	03:08:2032
सूर्य	03:10:2033
चन्द्रमा	08:02:2034

राहु दशा

अन्तर्दशा	से
राहु	08:09:2034
बृहस्पति	22:05:2037
शनि	15:10:2039
बुध	21:08:2042
केतु	10:03:2045
शुक्र	28:03:2046
सूर्य	28:03:2049
चन्द्रमा	20:02:2050
मंगल	21:08:2051

बृहस्पति दशा

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	08:09:2052
शनि	27:10:2054
बुध	10:05:2057
केतु	15:08:2059
शुक्र	21:07:2060
सूर्य	22:03:2063
चन्द्रमा	08:01:2064
मंगल	10:05:2065
राहु	15:04:2066

शनि दशा

अन्तर्दशा	से
शनि	08:09:2068
बुध	11:09:2071
केतु	22:05:2074
शुक्र	30:06:2075
सूर्य	30:08:2078
चन्द्रमा	12:08:2079
मंगल	13:03:2081
राहु	22:04:2082
बृहस्पति	26:02:2085

बुध दशा

अन्तर्दशा	से
बुध	08:09:2087
केतु	04:02:2090
शुक्र	01:02:2091
सूर्य	03:12:2093
चन्द्रमा	09:10:2094
मंगल	09:03:2096
राहु	07:03:2097
बृहस्पति	24:09:2099
शनि	30:12:2101

गोचर शनि

द्वादशे जन्मगै राशौ द्वितीये च शनैश्चर। सर्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुखैर्युतो भवेत।।

(गोचर में जब शनि ग्रह, जन्म चंद्र से बारहवें, पहले और दूसरे भाव में भ्रमण करता है, उस समय (लगभग साढ़े सात वर्ष तक) को शनि साढ़ेसाती के नाम से जाना जाता है।)

प्रथम चक्र

साढ़ेसाती चक्र	गोचर राशि में	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व—म—दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैय्या	वृशि.	01/06/1985	01/06/1985	0.0 y.0.0 m.0 d.	रजत
प्रथम ढ़ैय्या	वृशि.	17/09/1985	17/12/1987	2.0 y.3.0 m.0 d.	रजत
द्वितिय ढ़ैय्या	धनु	17/12/1987	21/03/1990	2.0 y.3.0 m.3 d.	ताम्र
द्वितिय ढ़ैय्या	धनु	20/06/1990	15/12/1990	0.0 y.5.0 m.26 d.	लौह
तृतिय ढ़ैय्या	मक.	21/03/1990	20/06/1990	0.0 y.3.0 m.0 d.	रजत
तृतिय ढ़ैय्या	मक.	15/12/1990	05/03/1993	2.0 y.2.0 m.19 d.	ताम्र
तृतिय ढ़ैय्या	मक.	15/10/1993	10/11/1993	0.0 y.0.0 m.26 d.	रजत
कंटक शनि	मीन	02/06/1995	10/08/1995	0.0 y.2.0 m.9 d.	ताम्र
कंटक शनि	मीन	16/02/1996	17/04/1998	2.0 y.1.0 m.30 d.	लौह
अष्टम शनि	कर्क	06/09/2004	13/01/2005	0.0 y.4.0 m.7 d.	ताम्र
अष्टम शनि	कर्क	26/05/2005	01/11/2006	1.0 y.5.0 m.7 d.	लौह
अष्टम शनि	कर्क	10/01/2007	16/07/2007	0.0 y.6.0 m.5 d.	स्वर्ण

द्वितिय चक्र

साढ़ेसाती चक्र	गोचर राशि में	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व—म—दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैय्या	वृशि.	02/11/2014	26/01/2017	2.0 y.2.0 m.24 d.	ताम्र
प्रथम ढ़ैय्या	वृशि.	21/06/2017	26/10/2017	0.0 y.4.0 m.6 d.	लौह
द्वितिय ढ़ैय्या	धनु	26/01/2017	21/06/2017	0.0 y.4.0 m.24 d.	स्वर्ण
द्वितिय ढ़ैय्या	धनु	26/10/2017	24/01/2020	2.0 y.2.0 m.29 d.	स्वर्ण
तृतिय ढ़ैय्या	मक.	24/01/2020	29/04/2022	2.0 y.3.0 m.4 d.	स्वर्ण
तृतिय ढ़ैय्या	मक.	12/07/2022	17/01/2023	0.0 y.6.0 m.7 d.	रजत
कंटक शनि	मीन	29/03/2025	03/06/2027	2.0 y.2.0 m.6 d.	स्वर्ण
कंटक शनि	मीन	20/10/2027	23/02/2028	0.0 y.4.0 m.5 d.	स्वर्ण
अष्टम शनि	कर्क	13/07/2034	27/08/2036	2.0 y.1.0 m.15 d.	ताम्र

तृतिय चक्र

साढ़ेसाती चक्र	गोचर राशि में	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व—म—दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैय्या	वृशि.	11/12/2043	23/06/2044	0.0 y.6.0 m.12 d.	रजत
प्रथम ढ़ैय्या	वृशि.	30/08/2044	08/12/2046	2.0 y.3.0 m.9 d.	स्वर्ण
द्वितिय ढ़ैय्या	धनु	08/12/2046	06/03/2049	2.0 y.2.0 m.27 d.	ताम्र
द्वितिय ढ़ैय्या	धनु	10/07/2049	04/12/2049	0.0 y.4.0 m.25 d.	ताम्र
तृतिय ढ़ैय्या	मक.	06/03/2049	10/07/2049	0.0 y.4.0 m.5 d.	स्वर्ण
तृतिय ढ़ैय्या	मक.	04/12/2049	25/02/2052	2.0 y.2.0 m.22 d.	स्वर्ण
कंटक शनि	मीन	14/05/2054	02/09/2054	0.0 y.3.0 m.20 d.	रजत
कंटक शनि	मीन	05/02/2055	07/04/2057	2.0 y.2.0 m.1 d.	लौह
अष्टम शनि	कर्क	24/08/2063	06/02/2064	0.0 y.5.0 m.14 d.	लौह
अष्टम शनि	कर्क	09/05/2064	13/10/2065	1.0 y.5.0 m.5 d.	स्वर्ण
अष्टम शनि	कर्क	03/02/2066	03/07/2066	0.0 y.4.0 m.28 d.	ताम्र

उपयुक्त रत्न का सुझाव

लग्नाधिपति के लिए रत्न

लग्नाधिपति (लग्न का स्वामी) – शुक्र

चूंकि आपका लग्नेश आपकी कुण्डली में किसी त्रिक भाव का स्वामी है, इसलिए लग्नेश के लिए कोई रत्न धारण करना आपके लिए उपयुक्त नहीं होगा।

नवमेश के लिए रत्न

नवमेश–

आपका नवमेश है। किन्तु यह मारक भाव में विराजमान है। इसलिए आपका ग्रह के लिए रत्न धारण करने की सलाह नहीं दी जा सकती है।

योग–कारक ग्रह के लिए रत्न

योग–कारक ग्रह –

आपकी कुण्डली में प्राकृतिक योग–कारक है।आपकी जन्मकुण्डली में ग्रह प्राकृतिक योग–कारक ग्रह है। यह मारक भाव में उपस्थित है। अतः आपको ग्रह के लिए रत्न धारण करना उपयुक्त नहीं है।

शनि के लिए रत्न

नीलम की भौतिक संरचना

नीलम एक काफी आकर्षक रत्न है। यह अपने सौन्दर्य, आकर्षक रंग, पारदर्शिता, प्रतिरोधक शक्ति एवं स्थायित्व के लिए जाना जाता है। यह नीले रंग में पाया जाता है। यह सामंजस्य, सहानुभूति, मित्रता, भरोसा एवं वफादारी का सूचक है। तंजेनाइट, नीला स्पाइनल, जम्बुमणि इत्यादि नीलम के ऊपरत्न हैं।

नीलम धारण करने के फायदे

नीलम धारण करने से सफलता, सौभाग्य, खुशहाली प्राप्त होती है। यह जीवन में स्थायीत्व प्रदान करता है। नीलम दूसरों की ईर्ष्या एवं कुदृष्टि से बचाता है। यात्रा के दौरान आने वाले खतरों को दूर करता है। स्वास्थ्य लाभ एवं मानसिक अशांति या मानसिक बीमारियों को दूर करने में नीलम काफी सहायक होता है। नीलम रचनात्मक कार्यों, अन्तर्दृष्टि एवं ध्यान को प्रेरित करता है। नीलम जुकाम एवं पित्तदोष में लाभदायक होता है तथा शनि के प्रकोप से बचाता है। नीलम धारण करने से धारक दीर्घायु होता है एवं सम्मान, यश, ज्ञान एवं धन–सम्पत्ति प्राप्त करता है। नीलम सत्तापक्ष से सम्मान दिलवाता है, दुश्मनों से रक्षा करता है एवं मोह–माया को दूर करता है।

रोगों पर नीलम का प्रभाव

नीलम धारण करने या औषधि के रूप में सेवन करने से निम्नलिखित रोग दूर होते हैं– नेत्र रोग, मुंह से खून आना, दिमाग की गर्मी, हिचकी, पागलपन, खांसी, ज्वर, उपदंश, अजीर्ण, विषमज्वर इत्यादि।

धारण करने के नियम नीलम

बढ़िया चमक, साफ रंग वाला एवं धब्बारहित नीलम ही धारण करना चाहिए, इससे भाग्य में बढ़ोत्तरी होगी। नीलम

सोना, चांदी या लोहे से बनी अंगूठी या लॉकेट में पहनना चाहिए। नीलम इस तरह धारण करना चाहिए कि यह निरंतर त्वचा के संपर्क में रहे। इसलिए अंगूठी में धारण करना ज्यादा लाभदायक होगा। नीलम का वजन 3–7 कैरेट (कम से कम 4 रत्ती) होना चाहिए। पुरुषों को दायें हाथ में धारण करना चाहिए। जब शनि मकर अथवा कुम्भ राशि में हो या तुला राशि में उच्चस्थ हो या शनिवार को उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, चित्रा, स्वाति अथवा विशाखा नक्षत्र हो, उस दिन नीलम सोना, चांदी या लोहे में जड़वाकर धारण करें।

शनिवार के दिन सूर्योदय से दो घंटे चालीस मिनट पहले नित्य क्रिया से निवृत्त होकर स्नान कर साफ वस्त्र धारण करें। इसके पश्चात पूर्वाभिमुख होकर भगवान गणेश की मूर्ति के सामने पूजा पर बैठें। सबसे पहले घी का दीपक एवं अगरबत्तियां जलायें एवं देवता के आगे फूल, फल एवं मिठाईया चढ़ायें। फिर रत्न जड़ित अंगूठी या लॉकेट को पंचामृत (दूध, दही, घी, चीनी एवं शहद) से धोयें। इसके पश्चात् अंगूठी या लॉकेट को गंगाजल या शुद्ध जल से धोकर देवता के चरणों में अर्पित करें।

अब सबसे पहले शनि देवता के बीज मंत्र का 23 बार जाप करें। फिर ध्यान मंत्र एवं ऋगवेद मंत्र का एक–एक बार जाप करें। तदुपरान्त शनि अष्टोत्तर शतनामावली (शनि ग्रह के 108 नाम) का जाप करें। इसके उपरांत शनि देवता का ध्यान करते हुए दण्डवत प्रणाम करें एवं आस्थापूर्वक अंगूठी को मध्यमा अंगुली में धारण करें या लॉकेट को गले में धारण करें।

नीलम दान की विधि

यंत्र

12	7	14
13	11	9
8	15	10

रांगा, सीसा या लोहे के पत्र पर शनि यंत्र खुदवाकर उसके मध्य में नीलम जड़वाकर उसकी प्राण प्रतिष्ठा करें। फिर शनि मंत्र से नीलम को शनिवार के दिन अभिमंत्रित करें। मध्याह्न काल में दीप बलि दें। त्तपश्चात् लोहा, उड़द, सरसों का तेल, भैंस, उपानह, काला वस्त्र एवं दक्षिणा सहित यंत्र ब्राह्मण को दान कर दें। इस प्रकार दान करने से शनि से संबंधित अरिष्ट दूर होते हैं एवं मनोकामना पूर्ण होती है।

नीलम के प्रभाव की अवधि

अंगुठी में जड़वाने के दिन से शुरू कर 5 वर्ष तक नीलम प्रभावशाली रहता है एवं उसके बाद नीलम का प्रभाव नष्ट हो जाता है। अतः 5 वर्ष के बाद नीलम बदल देना चाहिए।

तात्कालिक योग–कारक ग्रह के लिए रत्न

तात्कालिक योग–कारक ग्रह –

ग्रह आपकी जन्मकुण्डली में तात्कालिक योग––कारक ग्रह है।चूंकि तात्कालिक योग–कारक ग्रह ना तो उच्चस्थ है, ना ही नीचस्थ है और ना ही अपने भाव में उपस्थित है। अतः आप ग्रह के लिए रत्न धारण कर सकते हैं।

सूर्य के लिए रत्न

माणिक की भौतिक संरचना

माणिक एक कठोर एवं चमकदार रत्न है, जो लाल, गुलाबी, लाल–संतरी, बैंगनी–लाल, जामुनी–लाल एवं गुलाबी–लाल रंगों में पाया जाता है। लाल स्पाइनल, लाल तामड़ा एवं रूबेलाइट माणिक के ऊपरत्न हैं।

माणिक धारण करने के फायदे

माणिक सौन्दर्य, स्वास्थ्य, मित्रता एवं शक्ति का प्रतीक है। इसे धारण करने से धारक निर्भीक एवं साहसी होता है। इससे धारक नाम एवं यश प्राप्त करता है। यह मन के अवसाद को दूर करता है। माणिक धारण करने से हृदय मजबूत होता है एवं शरीर में खून के प्रवाह को संतुलित रखता है। इससे खुशहाली, स्वास्थ्य, साहस, प्रेम, उत्साह एवं उदारता में बढ़ोत्तरी होती है। इससे धारक को धन–सम्पत्ति, सफलता एवं लम्बी आयु प्राप्त होती है। यह धारक को शत्रुओं से सुरक्षित एवं अनिष्टों से दूर रखता है। इससे अपचन एवं पित्तदोष में लाभ प्राप्त होता है। इससे धारक का मन धार्मिक एवं शुभ कार्यों की ओर प्रेरित होता है। धारक के मन में भक्ति–भावना एवं तीर्थयात्रा की चाहत को बल प्रदान करता है। इससे शारीरिक रोग एवं व्याधियां नष्ट होती हैं। इसे धारण करने से भूत प्रेतादि बाधा दूर होते हैं।

रोगों पर माणिक का प्रभाव

माणिक धारण करने या माणिक की भस्म का सेवन करने से निम्नलिखित रोग दूर होते हैं– रक्त–विकार, खांसी, खूनी दस्त, नपुंसकता, संगहणी, खूनी बवासीर, अतिसार, हिचकी, अजीर्ण, वायु प्रकोप, खुश्क बलगम, शारीरिक अंगों में दर्द, सिर दर्द, पेट दर्द इत्यादि।

धारण करने के नियम माणिक

बढ़िया चमक, साफ रंग वाला एवं धब्बारहित माणिक ही धारण करना चाहिए, इससे भाग्य में बढ़ोत्तरी होगी। माणिक सोने या तांबे से बनी अंगूठी या लॉकेट में पहनना चाहिए। माणिक इस तरह धारण करना चाहिए कि यह निरंतर त्वचा के संपर्क में रहे। इसलिए अंगूठी में धारण करना ज्यादा लाभदायक होगा। माणिक का वजन 3–5 कैरेट (कम से कम 3 रत्ती) होना चाहिए। रविवार के दिन जब पुष्य नक्षत्र हो, तब प्रातः काल 9 से 12 बजे के बीच अंगूठी बनवाना शुरू करें एवं धारण करें। पुष्य नक्षत्र के अभाव में जिस रविवार के दिन कृत्तिका, उत्तराफाल्गुनी या उत्तराषाढ़ नक्षत्र हो, उस दिन भी अगुठी बनवाई जा सकती है, लेकिन पुष्य नक्षत्र अधिक शुभ होता है।

रविवार के दिन 9 से 10 बजे के आसपास स्नान कर साफ वस्त्र धारण करें। इसके पश्चात पूर्वाभिमुख होकर भगवान गणेश की मूर्ति के सामने पूजा पर बैठें। सबसे पहले घी का दीपक एवं अगरबत्तियां जलायें एवं देवता के आगे फूल, फल एवं मिठाईया चढ़ायें। फिर रत्न जड़ित अंगूठी या लॉकेट को पंचामृत (दूध, दही, घी, चीनी एवं शहद) से धोयें। इसके पश्चात् अंगूठी या लॉकेट को गंगाजल या शुद्ध जल से धोकर देवता के चरणों में अर्पित करें।

अब सबसे पहले सूर्य देवता के बीज मंत्र का 7 बार जाप करें। फिर ध्यान मंत्र एवं ऋगवेद मंत्र का एक–एक बार जाप करें। तदुपरान्त सूर्य अष्टोत्तर शतनामावली (सूर्य ग्रह के 108 नाम) का जाप करें। इसके उपरांत सूर्य देवता का ध्यान करते हुए दण्डवत प्रणाम करें एवं आस्थापूर्वक अंगूठी को दायें हाथ की अनामिका अंगुली में धारण करें या लॉकेट को गले में धारण करें।

माणिक दान की विधि

यंत्र

सोने के पत्र पर सूर्य यंत्र खुदवाकर उसके मध्य में माणिक जड़वाकर उसकी प्राण–प्रतिष्ठा करें। फिर सूर्य मंत्र से

6	1	8
7	5	3
2	9	4

माणिक को अभिमंत्रित करें। फिर गेहूं, गुड़, बछड़ा सहित गाय, कमल, सोना, लाल वस्त्र, तांबा, लाल चंदन, केसर, मूंगा एवं दक्षिण सहित यंत्र ब्राह्मण को 12 बजे से पूर्व दान कर दें। इस प्रकार दान करने से सूर्य से संबंधित अरिष्ट दूर होते हैं एवं मनोकामना पूर्ण होती है।

माणिक के प्रभाव की अवधि

अंगुठी में जड़वाने के दिन से शुरू कर 4 वर्ष तक माणिक प्रभावशाली रहता है एवं उसके बाद माणिक का प्रभाव नष्ट हो जाता है। अतः उपरोक्त अवधि के बाद माणिक बदल देना चाहिए।

जन्म राशि के आधार पर रूद्राक्ष का सुझाव

आपकी जन्म राशि है। आपके लिए पंचमुखी रूद्राक्ष उपयुक्त है।

इस रूद्राक्ष के इष्टदेव सदाशिव हैं। यह पांचों तत्वों को दर्शाता है तथा स्वास्थ्य, सफलता, शांति और खुशहाल जीवन प्रदान करता है।

पांचमुखी रूद्राक्ष को लाल धागे में पिरोकर शिव के पंचाक्षर मंत्र ऊँ नमः शिवाय का यथाशक्ति जप कर गले में धारण करें।

आपकी जन्म राशि है। आपके लिए द्वादशमुखी रूद्राक्ष उपयुक्त है।

इस रूद्राक्ष के इष्टदेव द्वादश आदित्य या सूर्य हैं। ये उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, बुद्धिमता एवं उन्नति प्रदान करते हैं। ये सरकार का समर्थन, अधिकारियों से लाभ, शक्ति एवं उच्च पद को सुनिश्चित करते हैं। ये राजनीतिक कार्यकर्ताओं के लिए बहुत लाभकारी हैं।

बारहमुखी रूद्राक्ष को पीले धागे में पिरोकर स्नान के बाद सूर्य की तरफ मुंह करते ऊँ सूर्य देवाय नमः मंत्र का

जप करते हुए गले में धारण करें। आपकी कीर्ति में वृद्धि होगी एवं आप तेजस्वी होंगे।

रूद्राक्ष धारण करने का उपयुक्त समय

सामान्यतया सोमवार को रूद्राक्ष धारण करना शुभ माना गया है, लेकिन शिवरात्रि को धारण करना उत्तम होता है। इसके अतिरिक्त, रूद्राक्ष धारण करने के लिए निम्नलिखित शुभ समय हैं–

शुभ महीना/माह

आश्विन एवं कार्तिक माह–– उत्तम
मार्गशीर्ष एवं फाल्गुन माह–– मध्यम
आषाढ़ एवं श्रावण माह–– अधम
भाद्रपद, पौष एवं अधिक मास (मलमास)–– अशुभ।

शुभ दिन (वार)

जिस दिन ग्रह एवं नक्षत्र धारक के नाम––राशि के अनुकूल हों, उस दिन रूद्राक्ष धारण करना चाहिए।

रविवार, सोमवार, बुधवार, बृहस्पतिवार एवं शुक्रवार को रूद्राक्ष धारण करना उत्तम होता है, जबकि मंगलवार एवं शनिवार को अशुभ माना जाता है।

शुभ पक्ष

भौतिक सुख के लिए शुक्ल पक्ष में रूद्राक्ष धारण करना चाहिए, जबकि आध्यात्मिक सुख के लिए कृष्ण पक्ष में रूद्राक्ष धारण करना चाहिए।

शुभ तिथि

द्वितीया, पंचमी, दशमी, त्रयोदशी एवं पूर्णामसी को रूद्राक्ष धारण करना उत्तम होता है।

शुभ लग्न

रूद्राक्ष धारण करने के लिए मेष, कक्र, तुला, वृश्चिक, मकर एवं कुम्भ लग्न शुभ होता है।

शुभ नक्षत्र

स्वाति, विशाखा, राहिणी, ज्येष्ठा, उत्तराफाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा, हस्त, अश्विनी, धनिष्ठा, शतभिषा एवं श्रवण नक्षत्र में रूद्राक्ष धारण करने से उत्तम फल की प्राप्ति होती है। इसके अतिरिक्त, किसी भी ग्रहण, तुला, मकर संक्रांति, अयन, शिव चौदस, बसंत पंचमी, एवं अमावस्या को भी रूद्राक्ष धारण कर सकते हैं।

रूद्राक्ष धारण करने की शास्त्रोक्त विधि

प्रातः काल शौच क्रिया से निवृत्त होकर मुख शद्धि करें। अशुद्ध मुंह से जप करने से उचित फल प्राप्त नहीं हो सकता है।

मुखशुद्धि विहीनस्य न मंत्रः फलदायकः।
दंतजिव्हा विशुद्धिं च ततः कुर्यात् प्रयत्नतः ।।

इसके बाद स्नान के लिए यथा संभव शुद्ध जल लें। स्नान के बाद अपने चित्त को शांत कर पूजा पर बैठें। पूजा प्रारम्भ करने से पहले भूमि शुद्धि अवश्य करें। भूमि शुद्धि मंत्र–

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वाः।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यंतरः शुचिः ।।

पूजा पर बैठने के लिए कुश के आसन का प्रयोग करें एवं पूर्व दिशा की ओर मुख करके बैठें। पूजा में शुद्ध जल से भरा पात्र रखें। पात्र पर नारियल रखकर प्राण––प्रतिष्ठा करें। फिर अपने कुलदेवता सहित सारे देवी––देवताओं का आह्वान कर रूद्राक्ष की पूजा करें।

सबसे पहले गोबर, गोमूत्र, दूध, दही, घी आदि पंचगव्य से रूद्राक्ष को स्नान करायें, फिर गंगाजल या शुद्ध जल से पुनः स्नान करायें। अब कांसे की थाली में पीपल के नौ पत्ते लेकर आठ पत्तों से अष्टदल कमल का आकार बनायें और एक पत्ता बीच में रखें। बीच वाले पत्ते पर रूद्राक्ष रखें। फिर ऊँ नमः शिवाय मंत्र का तीन बार जाप करें। अब स्वयं पर एवं पूजा के उपयोग की सभी वस्तुओं पर जल छिड़कते हुए निम्न मंत्र का तीन बार जप करें–

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वाः ।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यंतरः शुचिः ।।
ॐ गुरुभ्यो नमः। ॐ गणेशाय नमः। ॐ कुलदेवताभ्यो नमः। ॐ इष्टदेवताभ्यो नमः। ॐ मातृपितृचरणकमलेभ्यो नमः।

अब अपने दायें हाथ में आचमनी से गंगाजल लेकर प्रत्येक निम्न मंत्र का जाप करते हुए पीयें–

ॐ केशवाय नमः। ॐ नारायणाय नमः। ॐ माधवाय नमः।

अब निम्न मंत्र का जप करते हुए हाथ धोकर जल जमीन पर छोड़ दें–

ॐ गोविन्दाय नमः।

अब दायें हाथ में गंगाजल लेकर प्राणायाम के विनियोग का निम्न मंत्र पढ़कर जल जमीन पर छोड़ दें–

ॐ प्रणवस्य परब्रह्म ऋषिः परमात्मा देवता देवी गायत्री छंदः प्राणायामे विनियोगः।

फिर निम्न मंत्र से तीन प्राणायाम करें –

ॐ भूः ॐ भुवः ॐ स्वः ॐ महः ॐ जनः ॐ तपः ॐ सत्यम।
ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गोदेवस्य धीमहि।
धियो यो नः प्रचोदयात्। ॐ आपो ज्योतिः रसोऽमृतं ब्रह्म भूर्भुवः स्वरोम्।

अब रूद्राक्ष पर कुश या आचमनी से जल छिड़कते हुए निम्न मंत्र का जाप करें–

ॐ सद्योजातं प्रपद्यामि सद्योजाताय नमो नमः ।
भवेभवेनाति भवेभावस्वमान भवोद्भवाय नमः ।।

फिर फूल में चंदन एवं सुगंधित तेल लगाकर उससे रूद्राक्ष को स्पर्श करते हुए निम्न मंत्र का जाप करें–

ॐ वामदेवाय नमः, ॐ ज्येष्ठाय नमः, ॐ श्रेष्ठाय नमः, ॐ रुद्राय नमः, ॐ कलविकरणाय नमः, ॐ बलविकरणाय नमः, ॐ बलाय नमः, ॐ बलप्रमथनाय नमः, ॐ सर्वभूतदमनाय नमः, ॐ मनोन्मनाय नमः।

फिर रूद्राक्ष को धूप दिखाते हुए निम्न मंत्र का जप करें –

ॐ अघोरेभ्यो अघघोरेभ्योः घोर घोरतरेभ्यः।
सर्वेभ्यः सर्व शर्वेभ्यो नमस्तेस्तु रुद्ररूपेभ्यः ।।

फिर रूद्र गायत्री मंत्र जपते हुए फूल से चंदन एवं सुगंधित तेल का लेप करें –

ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोद्यात्।

चंदन का लेप करने पश्चात रूद्राक्ष के दाने पर ध्यान लगाकर ईशान मंत्र का जाप करें –

ॐ ईशानः सर्वविद्यानामीश्वरः सर्वभूतानां।
ब्रह्माधिपतिर्ब्रह्मणोऽधिपतिः ब्रह्मा शिवो मे अस्तु सदा शिवोम् ।।

पंचमुखी रूद्राक्ष धारण करने के विशेष नियम

विनियोग –

दायें हाथ में आचमनी में गंगाजल लेकर निम्न विनियोग मंत्र का जाप करें एवं जल को जमीन पर छोड़ दें।

ॐ अस्य श्री मंत्रस्य ब्रह्माऋषि:, गायत्री छन्द:, सदाशिव कालाग्नि रुद्रो देवता, ॐ बीजं, स्वाहा शक्ति:, रुद्राक्षधारणार्थे जपे विनियोग:।

ऋष्यादिन्यास –

निम्नलिखित मंत्र का जाप करते हुए दायें हाथ से अपने शरीर के अंगों क्रमशः शिरसि, मुख, हृदय, गुह्य एवं पैरों को स्पर्श करें।

ब्रह्मऋषि: नम: शिरसि, गायत्री छन्दसे नम: मुखे, सदाशिव कालाग्निरुद्रो देवतायै नमो हृदि, ॐ बीजाय नमो गुह्ये, स्वाहा शक्ति: नम: पादयो, विनियोगाय नम: सर्वांगे।

करन्यास –

निम्नलिखित मंत्र का जाप करते हुए अपनी हथेली के क्रमश अंगूठा, तर्जनी, मध्यमा, अनामिका, कनिष्ठिका अंगुली एवं करतल––करपृष्ठ का स्पर्श करें।

ॐ ॐ अंगुष्ठाभ्यां नम:, ॐ ह्रां तर्जनीभ्यां नम:, ॐ आं मध्यमाभ्यां नम:, ॐ क्ष्म्यौं अनामिकाभ्यां नम:, ॐ स्वाहा कनिष्ठिकाभ्यां नम:, ॐ ह्रां आं क्ष्म्यौं स्वाहा करतल करपृष्ठाभ्यां नम:।

हृदयादिन्ययास –

निम्नलिखित मंत्र को पढ़ते हुए क्रमशः हृदय, सिर दोनों भुजाओं एवं आंखों को स्पर्श करें एवं अंतिम मंत्र से दायें हाथ को सिर के उपर से पीछे की तरफ घुमाते हुए सामने लायें एवं तर्जनी व मध्यमा से बायें हाथ पर ताली बजायें।

ॐ ॐ हृदयाय नम:, ॐ ह्रां शिरसे स्वाहा, ॐ आं शिखायै वषट्, ॐ क्ष्म्यौं कवचाय हुम्। ॐ स्वाहा नेत्रत्रयाय वौषट्, ॐ ह्रां आं क्ष्म्यौं स्वाहा अस्त्राय फट्।

ध्यान मंत्र –

हावभावविलसार्द्धनारिकं भीषणार्धमथवा महेश्वरम्।
दाशसोत्पलकपालशूलिनं चिन्तये जपविधौ विभूतये।।

नीचे दिए गए किसी एक मंत्र के ग्यारह माला का जाप करें। माला जप करने के बाद किसी तांबे के बर्तन में रूद्राक्ष रखें। प्राणायाम करने के बाद जल से भरा पात्र बायें हाथ में लेकर दायां हाथ पात्र के नीचे छुआकर हटा लें। फिर रूद्राक्ष पर जल छींटें एवं रूद्राक्ष धारण करें।

१–ॐ ह्रां आं क्ष्म्यौं स्वाहा (मूल मंत्र)
२–ॐ श्रीं नम:
३–ॐ ह्राम्
४–ॐ हूं नम:
५–ॐ ह्रीं नम: (पंचाक्षरी मंत्र)

६-ॐ नमः शिवाय

७-ॐ त्र्यंबकं यजामहे सुगंधिंपुष्टिवर्धनम्, उर्वारुकमिवबंधनान्मृत्योर्मृक्षीय माऽमृतात्।

द्वादशमुखी रूद्राक्ष धारण करने के विशेष नियम

विनियोग –

दायें हाथ में आचमनी में गंगाजल लेकर निम्न विनियोग मंत्र का जाप करें एवं जल को जमीन पर छोड़ दें।

ॐ अस्य श्री सूर्य मंत्रस्य भार्गव ऋषि, गायत्री छन्दः, विश्वेश्वरो देवता, ह्रीं बीजं, श्रीं शक्तिः, घृणिः कीलकं, अभीष्ट सिद्धयर्थे रुद्राक्ष धारणार्थे जपे विनियोगः।

ऋष्यादिन्यास –

निम्नलिखित मंत्र का जाप करते हुए दायें हाथ से अपने शरीर के अंगों क्रमशः शिरसि, मुख, हृदय, गुह्य एवं पैरों को स्पर्श करें।

ॐ भार्गव ऋषये नमः शिरसि, गायत्री छन्दसे नमो मुखे, विश्वेश्वरो देवतायै नमः हृदि, ह्रीं बीजाय नमो गुह्ये, श्रीं शक्तये नमः पादयो, घृणिः कीलकं नमः नाभौ, विनियोगाय नमः सर्वांगे।

करन्यास –

निम्नलिखित मंत्र का जाप करते हुए अपनी हथेली के क्रमश अंगूठा, तर्जनी, मध्यमा, अनामिका, कनिष्ठिका अंगुली एवं करतल––करपृष्ठ का स्पर्श करें।

ॐ ॐ अंगुष्ठाभ्यां नमः, ॐ ह्रीं तर्जनीभ्यां नमः, ॐ क्षौं मध्यमाभ्यां नमः, ॐ घृणिः अनामिकाभ्यां नमः, ॐ श्रीं कनिष्ठिकाभ्यां नमः, ॐ ह्रीं क्षौं घृणिः श्रीं करतल करपृष्ठाभ्यां नमः।

हृदयादिन्ययास –

निम्नलिखित मंत्र को पढ़ते हुए क्रमशः हृदय, सिर दोनों भुजाओं एवं आंखों को स्पर्श करें एवं अंतिम मंत्र से दायें हाथ को सिर के उपर से पीछे की तरफ घुमाते हुए सामने लायें एवं तर्जनी व मध्यमा से बायें हाथ पर ताली बजायें।

ॐ ॐ हृदयाय नमः, ॐ ह्रीं शिरसे स्वाहा, ॐ क्षौं शिखायै वषट्, ॐ घृणिः कवचाय हुम्। ॐ श्रीं नेत्रत्रयाय वौषट्, ॐ ह्रीं क्षौं घृणिः श्रीं अस्त्राय फट्।

ध्यान मंत्र –

शोणाम्भोरुहसंस्थित-त्रिनयनं वेदत्रयी-विग्रहम्
दानाम्भोजयुगाभयानि दधत हस्तैः प्रवालप्रभम्।
केयूराङ्गकङ्कणद्वयधरं कर्णौर्लसत्कुण्डलम्
लोकोत्पत्ति-विनाशपालनकरं सूर्यगुणाघ्रिं भजेत्।।

नीचे दिए गए किसी एक मंत्र के ग्यारह माला का जाप करें। माला जप करने के बाद किसी तांबे के बर्तन में रूद्राक्ष रखें। प्राणायाम करने के बाद जल से भरा पात्र बायें हाथ में लेकर दायां हाथ पात्र के नीचे छुआकर हटा लें। फिर रूद्राक्ष पर जल छींटें एवं रूद्राक्ष धारण करें।

१-ॐ ह्रीं क्षौं घृणिः श्रीम् (मूल मंत्र)

२-ॐ नमः शिवाय

३-ॐ क्रौं क्षौं रौं नमः

४-ॐ हूं ह्रीं नमः

५-ॐ ह्रां

६-ॐ ह्रां ह्रीं नमः (पंचाक्षरी मंत्र)

७-ॐ त्र्यंबकं यजामहे सुगंधिंपुष्टिवर्धनम्, उर्वारुकमिवबंधनान्मृत्योर्मृक्षीय माऽमृतात्।

रूद्राक्ष धारण करने के साधारण नियम

किसी भी सोमवार या शुभ दिन को सबसे पहले रूद्राक्ष को गंगाजल से स्नान करायें। फिर रूद्राक्ष पर चंदन का लेप लगायें। तत्पश्चात, रूद्राक्ष पर धूप, दीप आदि दिखाकर सफेद फूल अर्पित करें। उसके बाद शिवलिंग से रूद्राक्ष को स्पर्श कराते हुए कम से कम ग्यारह बार ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जाप करें। भगवान शिव का ध्यान करते हुए रूद्राक्ष धारण करें या पूजा स्थल पर रख सकते हैं।

रूद्राक्ष धारण करने के पश्चात निम्न नियमों का पालन करना चाहिए –

मद्यं मांसं च लासुनं पलांडुं शिग्रुं एव च ।
श्लेषं अंतकं विड्वाराहं भक्षयं वर्जये नरः ।।

. रूद्राक्ष धारण करने के पश्चात् मांस, मदिरा, कोई नशीला पदार्थ, लहसुन, प्याज या अन्य कोई तामसिक पदार्थ का सेवन नहीं करना चाहिए। हमेशा सात्विक आहार लें।

. रूद्राक्ष को दिखावे की चीज ना बनायें।

. रात में रूद्राक्ष उतार कर पूजा के स्थान पर रख दें एवं सबुह सारे क्रिया––कर्म से निवृत्त होकर ऊँ नमः शिवाय का पांच बार जप कर धारण करें। जब भी माला उतारें तो उतार कर पूजा स्थल पर ही रखें।

. अभिमान ना करें।

. परोपकार करें।

. रूद्राक्ष का अपमान या दुरूपयोग ना करें।

. क्रोध ना करें।

. अपना आचरण एवं विचार पवित्र रखें।

. किसी को अपशब्द ना कहें।

. ब्रह्मचर्य का पालन करें।

. रूद्राक्ष का गंगाजल से अभिषेक करें।

. नहाते समय साबुन आदि ना लगायें।

. रूद्राक्ष धारण करते समय या पूजा करते समय स्थान शुद्धि अवश्य करें।

. रूद्राक्ष की पवित्रता बनाये रखें।

. हमेशा नित्यकर्म से निवृत होकर एवं पवित्र होकर ही रूद्राक्ष धारण करें।

. किसी व्यक्ति या धर्म आदि की निन्दा ना करें।

. गंदगी से दूर रहें।

. रूद्राक्ष के प्रति निष्ठा रखें।

. रूद्राक्ष माला को कभी भी खूंटी पर ना लटकायें।

. रूद्राक्ष माला रजस्वला स्त्री से दूर रखें।

. शवयात्रा में माला पहनकर ना जायें।

रूद्राक्ष की सत्यता प्रमाणित करने के लिए जांच

जांच संख्या 1 –

पानी की उपरी सतह पर रूद्राक्ष रखने से यदि यह डूब जाता है, तो रूद्राक्ष असली है, लेकिन यदि यह तैरता रहता है, तो रूद्राक्ष नकली है।

जांच संख्या 2 –

असली रूद्राक्ष बहुत उष्म होता है और यह विद्युत चुम्बकीय गुण के कारण तांबे को अपनी ओर आकर्षित करता है। यदि रूद्राक्ष के मोतियों को धागे में लटकाकर तांबे के चादर के छोटे से टुकड़े के उपर लटका दिया जाय तो ये मोती लगातार गोल––गोल घूमने लगेगें। यदि इनके घूमने की दिशा घड़ी की सूईयों की घूमने की दिशा के समान है, तो ये असली हैं।

जांच संख्या 3 –

एक कप दूध के अन्दर रूद्राक्ष के मोती को डाल दें और इसे पूरे दिन तक रखें। यदि दूध खराब नहीं होता है, तो मोती असली है और यदि दूध खराब हो जाता है तो यह झूठा है।

गोचर शनि (शनि साढ़ेसाती) का फल और उपाय

द्वादशे जन्मगै राशौ द्वितीये च शनैश्चर।/ढुसार्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुखैर्युतो भवेत।।

गोचर में जब शनि ग्रह, जन्म चंद्र से बारहवें, पहले और दूसरे भाव में भ्रमण करता है, उस समय (लगभग साढ़े सात वर्ष तक) को शनि साढ़ेसाती के नाम से जाना जाता है।

सामान्यतः यह माना जाता है, कि शनि की साढ़ेसाती के दौरान जातक मानसिक कष्ट, शारीरिक कष्ट एवं आर्थिक संकट से गुजरता है। साढ़ेसाती से लोग चिन्तित हो जाते हैं एवं उनके मन में एक अनजाना सा डर बना रहता है। जातक में असंतोष, निराशा, आलस्य, तनाव, रोगों से हानि, चोरी या आगजनी से हानि, घर में विवाद या किसी पारिवारिक सदस्य की मृत्यु आदि जैसे फल प्राप्त होने का डर बना रहता है। लेकिन हकीकत में साढ़ेसाती के किसी चरण का पूरा समय– साढ़े सात साल– ऐसा नहीं होता है। काफी शुभ फल जैसे विवाह, संतानोत्पत्ति, नौकरी या व्यवसाय में उन्नति, विदेश यात्रा, भूमि, भवन या वाहन का क्रय, कर्ज से मुक्ति, उंचे तबके के लोगों से संपक्र और उनसे लाभ, धार्मिक स्थलों की यात्रा या धार्मिक कार्यों का आयोजन, संतानों से सुख एवं खुशी आदि भी प्राप्त होते हैं।

प्रथम चक्र

प्रथम ढ़ैय्या

01/06/1985 – 01/06/1985

गोचर राशि – वृश्.

समयावधि :

0.0 y.0.0 m.0 d.

इस चरण में आपको अशुभ फल प्राप्त हो सकते हैं। इस चरण के प्रारम्भ में ही आपको अधिक खर्चे करने पड़ सकते हैं। आपको शारीरिक कष्ट भी हो सकता है। अपने परिवार एवं बाहरी लोगों के व्यवहार से आपको मानसिक कष्ट हो सकता है। आपके कार्यों में रूकावट आएगी। यदि आप कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं, तो शुरूआत आसानी से हो जाएगी, लेकिन शुरू होते ही आपको समस्या होने लगेगी। इस चरण के दौरान आप काफी आर्थिक तंगी महसूस कर सकते हैं। आपका संचित धन कम होगा और आप अक्सर गैरजरूरी कामों में अधिक खर्च कर सकते हैं, जिससे आप अधिक समस्या में आ सकते हैं।

इस पूरे चरण के दौरान वाहन चलाने में सावधानी बरतें। आपके सिर के पिछले हिस्से एवं दायें घुटने में गंभीर चोट लगने की संभावना है। आपके परिवार में कोई ना कोई अक्सर बीमार रह सकता है और आपको उनके उपर धन खर्च करना पड़ सकता है। नित्य नई–नई समस्याओं के कारण आपका मन अस्थिर रह सकता है। आपकी वाणी कठोर हो सकती है। आप गलत लोगों के संपक्र में आ सकते हैं, जिससे आप समाज में अपमानित हो सकते हैं एवं आपको कई तरह से हानि भी हो सकती है। आपको अपने कार्यक्षत्र में अधिक हानि हो सकती है।

आप अपने शत्रुओं से सावधान रहें। आपके शत्रुओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है। आपके शत्रु मौका मिलते ही आपको हानि पहुंचाने का प्रयत्न कर सकते हैं। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आपका व्यवसाय काफी प्रभावित हो सकता है। जिस चीज से आपको कभी ख्याति मिली भी, अब वही बदनामी का कारण हो सकता है। आपका भुगतान रूक सकता है। यदि आपकी कुण्डली में मंगल पीड़ित है, तो आपको आग से हानि होने की संभावना हो सकती है। यदि आप सरकारी नौकरी में हैं, तो आपको अक्सर विरोधियों का सामना करना पड़ सकता है।

आपके अधिकारी आपके काम में दोष निकाल सकते हैं, जिससे आपको मानसिक कष्ट हो सकता है और आपका काम अधिक बिगड़ सकता है। अपने खान–पान पर विशेष ध्यान दें। आपको कोई विष दे सकता है या आपका भोजन विषाक्त हो सकता है। अपच, गैस, अजीर्ण, स्नायुविकार, उन्माद आदि रोगों से ग्रसित हो सकते हैं। आपको अपने मान–सम्मान का भय नहीं हो सकता है। आप अपने ही कार्यों से हंसी के पात्र बन सकते हैं। आप काम वासना से पीड़ित रह सकते हैं, जिसकी वजह से आप अक्सर अपमानित हो सकते हैं।

आर्थिक तंगी होने के बावजूद किसी को प्रभावित करने के ख्याल से आप काफी दिखावा कर सकते हैं। आपका व्यवहार निम्नस्तरीय हो सकता है। आप हर जगह अपना स्वार्थ चाह सकते हैं। इस चरण के दौरान यदि आपकी आयु 36 से 48 वर्ष के मध्य है, तो आपको अधिक कष्ट हो सकता है। आपको ईश्वर पर विश्वास करते हुए बुरे समय को निकालना चाहिए।

प्रथम ढ़ैय्या

17/09/1985 – 17/12/1987

गोचर राशि – वृश्चि.

समयावधि :

2.0 y.3.0 m.0 d.

इस चरण में आपको अशुभ फल प्राप्त हो सकते हैं। इस चरण के प्रारम्भ में ही आपको अधिक खर्चे करने पड़ सकते हैं। आपको शारीरिक कष्ट भी हो सकता है। अपने परिवार एवं बाहरी लोगों के व्यवहार से आपको मानसिक कष्ट हो सकता है। आपके कार्यों में रूकावट आएगी। यदि आप कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं, तो शुरूआत आसानी से हो जाएगी, लेकिन शुरू होते ही आपको समस्या होने लगेगी। इस चरण के दौरान आप काफी आर्थिक तंगी महसूस कर सकते हैं। आपका संचित धन कम होगा और आप अक्सर गैरजरूरी कामों में अधिक खर्च कर सकते हैं, जिससे आप अधिक समस्या में आ सकते हैं।

इस पूरे चरण के दौरान वाहन चलाने में सावधानी बरतें। आपके सिर के पिछले हिस्से एवं दायें घुटने में गंभीर चोट लगने की संभावना है। आपके परिवार में कोई ना कोई अक्सर बीमार रह सकता है और आपको उनके उपर धन खर्च करना पड़ सकता है। नित्य नई–नई समस्याओं के कारण आपका मन अस्थिर रह सकता है। आपकी वाणी कठोर हो सकती है। आप गलत लोगों के संपक्र में आ सकते हैं, जिससे आप समाज में अपमानित हो सकते हैं एवं आपको कई तरह से हानि भी हो सकती है। आपको अपने कार्यक्षत्र में अधिक हानि हो सकती है।

आप अपने शत्रुओं से सावधान रहें। आपके शत्रुओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है। आपके शत्रु मौका मिलते ही आपको हानि पहुंचाने का प्रयत्न कर सकते हैं। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आपका व्यवसाय काफी प्रभावित हो सकता है। जिस चीज से आपको कभी ख्याति मिली भी, अब वही बदनामी का कारण हो सकता है। आपका भुगतान रूक सकता है। यदि आपकी कुण्डली में मंगल पीड़ित है, तो आपको आग से हानि होने की संभावना हो सकती है। यदि आप सरकारी नौकरी में हैं, तो आपको अक्सर विरोधियों का सामना करना पड़ सकता है।

आपके अधिकारी आपके काम में दोष निकाल सकते हैं, जिससे आपको मानसिक कष्ट हो सकता है और आपका काम अधिक बिगड़ सकता है। अपने खान–पान पर विशेष ध्यान दें। आपको कोई विष दे सकता है या आपका भोजन विषाक्त हो सकता है। अपच, गैस, अजीर्ण, स्नायुविकार, उन्माद आदि रोगों से ग्रसित हो सकते हैं। आपको अपने मान–सम्मान का भय नहीं हो सकता है। आप अपने ही कार्यों से हंसी के पात्र बन सकते हैं। आप काम वासना से पीड़ित रह सकते हैं, जिसकी वजह से आप अक्सर अपमानित हो सकते हैं।

आर्थिक तंगी होने के बावजूद किसी को प्रभावित करने के ख्याल से आप काफी दिखावा कर सकते हैं। आपका व्यवहार निम्नस्तरीय हो सकता है। आप हर जगह अपना स्वार्थ चाह सकते हैं। इस चरण के दौरान यदि आपकी आयु 36 से 48 वर्ष के मध्य है, तो आपको अधिक कष्ट हो सकता है। आपको ईश्वर पर विश्वास करते हुए बुरे समय को निकालना चाहिए।

द्वितिय ढ़ैय्या

17/12/1987 – 21/03/1990

गोचर राशि – धनु

समयावधि :

2.0 y.3.0 m.3 d.

इस चरण में आपको मिश्रित फल प्राप्त होगा। यदि आप कुछ उपाय करें, तो आपको शुभ फल अधिक प्राप्त हो सकते हैं। इस चरण के प्रारम्भ से ही आपको शुभ फल मिलना शुरू हो जाएगा। अपनी मेहनत से आपकी आय में वृद्धि हो सकती है। आप जितनी अधिक मेहनत करेंगे, उससे अधिक आपको शुभ फल प्राप्त होगा। अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें। अत्यधिक कार्य के कारण आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है। आप गुर्दे के रोग एवं कब्ज से पीड़ित हो सकते हैं। लगातार मेहनत एवं कम नींद लेने के कारण आप शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं। आपमें अधिक धन कमाने की चाहत होगी और आप इसके लिए कुछ भी करने को तैयार रहेंगे। आपका दाम्पत्य जीवन सुखद होगा। आपके कुछ रिश्तेदार आपके सुखद जीवन से खुश नहीं हो सकते हैं और वे आपस में झगड़ा करवाने का सतत प्रयास कर सकते हैं।

यदि आप सरकारी नौकरी में हैं, तो आपको कोई विशेष उपलब्धि प्राप्त नहीं हो सकती है। आपको उतना ही प्राप्त होगा, जितनी आप मेहनत करेंगे। अपने अधिकारियों से आपके मधुर संबंध रहेंगे, जिससे भविष्य में आप

लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आपको काफी लाभ प्राप्त हो सकता है। अपने व्यवसाय की कोई नई शाखा भी खोल सकते हैं। इस चरण के दौरान आप वरिष्ठ राजनीतिक एवं सामाजिक लोगों के संपक्र में आप सकते हैं। आपके छोटे भाई–बहन भी काफी उन्नति करेंगे। आप अपने परिवार का काफी सहयोग करेंगे। आपके परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। इस दौरान आपका स्वभाव एवं विचार काफी धार्मिक हो सकता है। आप धर्म, ज्योतिष एवं तंत्र–मंत्र पर काफी विश्वास कर सकते हैं। यदि आपकी कुण्डली में शनि पर किसी पापी ग्रह की दृष्टि या कोई अन्य संबंध है, तो अपने पिता से आपके संबंध खराब हो सकते हैं। आपके मित्र एवं परिवार के सदस्य विरोधी हो सकते हैं।

यदि आपकी कुण्डली में किसी पापी ग्रह की दशा चल रही है, तो आप अपनी आर्थिक स्थिति संभालने का प्रयास कर सकते हैं, लेकिन स्थिति और बिगड़ सकती है। आप नाक, कान, गला, त्वचा एवं गुप्त रोगों से ग्रसित रह सकते हैं। यदि आपकी कुण्डली में शुक्र अशुभ प्रभाव में है, तो आपको यौन रोग भी हो सकता है। आपको काफी सचेत और सावधान रहना चाहिए। सिर में चोट, पत्थर से चोट, गिरने से चोट, बिजली, विष एवं आग से हानि होने की संभावना हो सकती है। अपने अथक प्रयास के बावजूद आप धन संचय नहीं कर सकते हैं। परिवार में अक्सर क्लेश हो सकता है। अपनी संतान से भी अपमानित हो सकते हैं।

इस चरण के अन्त समय में आपको कोई अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है या आपका कोई मनोवांछित कार्य सम्पन्न हो सकता है। आपको धैर्य से काम लेना चाहिए। आपको अक्सर लाभ प्राप्त होते रहेंगे। जिन लोगों ने कभी आपका अपमान किया था या आपसे दूर भागते थे, वे आपसे मित्रता करना चाह सकते हैं। लेकिन ऐसे लोगों से आपको सावधान रहना चाहिए।

द्वितिय ढ़ैय्या

20/06/1990 – 15/12/1990

गोचर राशि – धनु

समयावधि :

0.0 y.5.0 m.26 d.

इस चरण में आपको मिश्रित फल प्राप्त होगा। यदि आप कुछ उपाय करें, तो आपको शुभ फल अधिक प्राप्त हो सकते हैं। इस चरण के प्रारम्भ से ही आपको शुभ फल मिलना शुरू हो जाएगा। अपनी मेहनत से आपकी आय में वृद्धि हो सकती है। आप जितनी अधिक मेहनत करेंगे, उससे अधिक आपको शुभ फल प्राप्त होगा। अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें। अत्यधिक कार्य के कारण आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है। आप गुर्दे के रोग एवं कब्ज से पीड़ित हो सकते हैं। लगातार मेहनत एवं कम नींद लेने के कारण आप शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं। आपमें अधिक धन कमाने की चाहत होगी और आप इसके लिए कुछ भी करने को तैयार रहेंगे। आपका दाम्पत्य जीवन सुखद होगा। आपके कुछ रिश्तेदार आपके सुखद जीवन से खुश नहीं हो सकते हैं और वे आपस में झगड़ा करवाने का सतत प्रयास कर सकते हैं।

यदि आप सरकारी नौकरी में हैं, तो आपको कोई विशेष उपलब्धि प्राप्त नहीं हो सकती है। आपको उतना ही प्राप्त होगा, जितनी आप मेहनत करेंगे। अपने अधिकारियों से आपके मधुर संबंध रहेंगे, जिससे भविष्य में आप लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आपको काफी लाभ प्राप्त हो सकता है। अपने व्यवसाय की कोई नई शाखा भी खोल सकते हैं। इस चरण के दौरान आप वरिष्ठ राजनीतिक एवं सामाजिक लोगों के संपक्र में आप सकते हैं। आपके छोटे भाई–बहन भी काफी उन्नति करेंगे। आप अपने परिवार का काफी सहयोग करेंगे। आपके परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। इस दौरान आपका स्वभाव एवं विचार काफी धार्मिक हो सकता है। आप धर्म, ज्योतिष एवं तंत्र–मंत्र पर काफी विश्वास कर सकते हैं। यदि आपकी कुण्डली में शनि पर किसी पापी ग्रह की दृष्टि या कोई अन्य संबंध है, तो अपने पिता से आपके संबंध खराब हो सकते हैं। आपके मित्र एवं परिवार के सदस्य विरोधी हो सकते हैं।

यदि आपकी कुण्डली में किसी पापी ग्रह की दशा चल रही है, तो आप अपनी आर्थिक स्थिति संभालने का प्रयास कर सकते हैं, लेकिन स्थिति और बिगड़ सकती है। आप नाक, कान, गला, त्वचा एवं गुप्त रोगों से ग्रसित रह सकते हैं। यदि आपकी कुण्डली में शुक्र अशुभ प्रभाव में है, तो आपको यौन रोग भी हो सकता है। आपको काफी सचेत और सावधान रहना चाहिए। सिर में चोट, पत्थर से चोट, गिरने से चोट, बिजली, विष एवं आग से हानि होने की संभावना हो सकती है। अपने अथक प्रयास के बावजूद आप धन संचय नहीं कर सकते हैं। परिवार में अक्सर क्लेश हो सकता है। अपनी संतान से भी अपमानित हो सकते हैं।

इस चरण के अन्त समय में आपको कोई अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है या आपका कोई मनोवांछित कार्य सम्पन्न हो सकता है। आपको धैर्य से काम लेना चाहिए। आपको अक्सर लाभ प्राप्त होते रहेंगे। जिन लोगों ने कभी आपका अपमान किया था या आपसे दूर भागते थे, वे आपसे मित्रता करना चाह सकते हैं। लेकिन ऐसे लोगों से आपको सावधान रहना चाहिए।

तृतिय ढ़ैय्या

21/03/1990 – 20/06/1990

गोचर राशि – मक.

समयावधि :

0.0 y.3.0 m.0 d.

इस चरण में आपको शुभ फल अधिक प्राप्त हो सकते हैं। हालांकि, बीच–बीच में आपको अपना मनचाहा फल प्राप्त नहीं हो सकता है। इस पूरे चरण के दौरान आप अधिक धन कमाने के लिए काफी मेहनत कर सकते हैं, जिससे आप शारीरिक एवं मानसिक रूप से कमजोर महसूस कर सकते हैं। आपको आर्थिक लाभ प्राप्त होंगे। पिछले समय की तुलना में आप आर्थिक रूप से मजबूत होंगे। अपने मित्रों एवं सहयोगियों के साथ आपके मधुर संबंध होंगे। आप सत्यप्रिय एवं मधुरभाषी होंगे तथा अन्य लोगों से भी ऐसा ही उम्मीद करेंगे। अपने बुरे समय में धन संचय के लिए किए गए कार्यों का शुभ फल प्राप्त कर सकते हैं। अपनी मेहनत से अर्जित धन को खर्च करने में कुछ कंजूसी कर सकते हैं। आप धार्मिक विचारों के हो सकते हैं। कुछ समस्याओं एवं विरोधों के बाद आपको

पैतृक सम्पत्ति प्राप्त हो सकती है। आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल होगा एवं आप भूमि या भवन खरीदने का विचार कर सकते हैं।

आप धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में काफी रूचि लेंगे। इस दौरान आपको कोई सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। आपको अपने पुराने बिगड़े संबंधों को ठीक करने का प्रयास करना चाहिए। आपके प्रयास सार्थक होंगे। पहले से चल रहे कार्य पूर्ण होंगे एवं उनसे आप लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आपको अपने खान–पान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। यदि आपकी कुण्डली में किसी पापी ग्रह की दशा चल रही है या शनि पर किसी पापी ग्रह का प्रभाव है, तो आपके कार्यों में रूकावट आ सकती है, जिससे आप मानसिक रूप से परेशान हो सकते हैं। परेशानी में आप किसी नशे के आदी भी हो सकते हैं। लेकिन, यदि आपने किसी नशे का सहारा लिया तो आपकी स्थिति और अधिक खराब हो सकती है। इसलिए आप हर तरह के व्यसन से दूर रहें।

यदि आप नौकरी करते हैं, तो अपने किए किसी काम से अचानक आपको काफी शोहरत मिल सकती है। आपकी पदोन्नति हो सकती है। यदि आपकी कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है या राहु से पीड़ित है, तो नौकरी में अचानक समस्याएं आ सकती हैं। यदि आप स्वयं का व्यवसाय करते हैं, तो अपने विरोधियों एवं कर्मचारियों से सावधान रहें। अपने व्यवसाय का हिसाब–किताब ठीक रखें, अन्यथा आप किसी मुसीबत में फँस सकते हैं। आपमें काफी आत्मविश्वास होगा, जिससे आप अपने रास्ते में आने वाली कठिनाईयों का सामना करने एवं सफलता प्राप्त करने में सक्षम होंगे। कुछ समय के लिए आपके दाम्पत्य जीवन में समस्या आ सकती है, लेकिन आप अपनी समझदारी से समस्या से निजात पाने में सक्षम होंगे। कोई भी नया कार्य सावधानीपूर्वक शुरू करें, सफलता प्राप्त होगी।

तृतिय ढ़ैय्या

15/12/1990 – 05/03/1993

गोचर राशि – मक.

समयावधि :

2.0 y.2.0 m.19 d.

इस चरण में आपको शुभ फल अधिक प्राप्त हो सकते हैं। हालांकि, बीच–बीच में आपको अपना मनचाहा फल प्राप्त नहीं हो सकता है। इस पूरे चरण के दौरान आप अधिक धन कमाने के लिए काफी मेहनत कर सकते हैं, जिससे आप शारीरिक एवं मानसिक रूप से कमजोर महसूस कर सकते हैं। आपको आर्थिक लाभ प्राप्त होंगे। पिछले समय की तुलना में आप आर्थिक रूप से मजबूत होंगे। अपने मित्रों एवं सहयोगियों के साथ आपके मधुर संबंध होंगे। आप सत्यप्रिय एवं मधुरभाषी होंगे तथा अन्य लोगों से भी ऐसा ही उम्मीद करेंगे। अपने बुरे समय में धन संचय के लिए किए गए कार्यों का शुभ फल प्राप्त कर सकते हैं। अपनी मेहनत से अर्जित धन को खर्च करने में कुछ कंजूसी कर सकते हैं। आप धार्मिक विचारों के हो सकते हैं। कुछ समस्याओं एवं विरोधों के बाद आपको पैतृक सम्पत्ति प्राप्त हो सकती है। आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल होगा एवं आप भूमि या भवन खरीदने का विचार कर सकते हैं।

आप धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में काफी रूचि लेंगे। इस दौरान आपको कोई सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। आपको अपने पुराने बिगड़े संबंधों को ठीक करने का प्रयास करना चाहिए। आपके प्रयास सार्थक होंगे। पहले से चल रहे कार्य पूर्ण होंगे एवं उनसे आप लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आपको अपने खान–पान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। यदि आपकी कुण्डली में किसी पापी ग्रह की दशा चल रही है या शनि पर किसी पापी ग्रह का प्रभाव है, तो आपके कार्यों में रूकावट आ सकती है, जिससे आप मानसिक रूप से परेशान हो सकते हैं। परेशानी में आप किसी नशे के आदी भी हो सकते हैं। लेकिन, यदि आपने किसी नशे का सहारा लिया तो आपकी स्थिति और अधिक खराब हो सकती है। इसलिए आप हर तरह के व्यसन से दूर रहें।

यदि आप नौकरी करते हैं, तो अपने किए किसी काम से अचानक आपको काफी शोहरत मिल सकती है। आपकी पदोन्नति हो सकती है। यदि आपकी कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है या राहु से पीड़ित है, तो नौकरी में अचानक समस्याएं आ सकती हैं। यदि आप स्वयं का व्यवसाय करते हैं, तो अपने विरोधियों एवं कर्मचारियों से सावधान रहें। अपने व्यवसाय का हिसाब–किताब ठीक रखें, अन्यथा आप किसी मुसीबत में फँस सकते हैं। आपमें काफी आत्मविश्वास होगा, जिससे आप अपने रास्ते में आने वाली कठिनाईयों का सामना करने एवं सफलता प्राप्त करने में सक्षम होंगे। कुछ समय के लिए आपके दाम्पत्य जीवन में समस्या आ सकती है, लेकिन आप अपनी समझदारी से समस्या से निजात पाने में सक्षम होंगे। कोई भी नया कार्य सावधानीपूर्वक शुरू करें, सफलता प्राप्त होगी।

तृतिय ढ़ैय्या

15/10/1993 – 10/11/1993

गोचर राशि – मक.

समयावधि :

0.0 y.0.0 m.26 d.

इस चरण में आपको शुभ फल अधिक प्राप्त हो सकते हैं। हालांकि, बीच–बीच में आपको अपना मनचाहा फल प्राप्त नहीं हो सकता है। इस पूरे चरण के दौरान आप अधिक धन कमाने के लिए काफी मेहनत कर सकते हैं, जिससे आप शारीरिक एवं मानसिक रूप से कमजोर महसूस कर सकते हैं। आपको आर्थिक लाभ प्राप्त होंगे। पिछले समय की तुलना में आप आर्थिक रूप से मजबूत होंगे। अपने मित्रों एवं सहयोगियों के साथ आपके मधुर संबंध होंगे। आप सत्यप्रिय एवं मधुरभाषी होंगे तथा अन्य लोगों से भी ऐसा ही उम्मीद करेंगे। अपने बुरे समय में धन संचय के लिए किए गए कार्यों का शुभ फल प्राप्त कर सकते हैं। अपनी मेहनत से अर्जित धन को खर्च करने में कुछ कंजूसी कर सकते हैं। आप धार्मिक विचारों के हो सकते हैं। कुछ समस्याओं एवं विरोधों के बाद आपको पैतृक सम्पत्ति प्राप्त हो सकती है। आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल होगा एवं आप भूमि या भवन खरीदने का विचार कर सकते हैं।

आप धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में काफी रूचि लेंगे। इस दौरान आपको कोई सम्मान भी प्राप्त हो सकता है।

आपको अपने पुराने बिगड़े संबंधों को ठीक करने का प्रयास करना चाहिए। आपके प्रयास सार्थक होंगे। पहले से चल रहे कार्य पूर्ण होंगे एवं उनसे आप लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आपको अपने खान–पान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। यदि आपकी कुण्डली में किसी पापी ग्रह की दशा चल रही है या शनि पर किसी पापी ग्रह का प्रभाव है, तो आपके कार्यों में रूकावट आ सकती है, जिससे आप मानसिक रूप से परेशान हो सकते हैं। परेशानी में आप किसी नशे के आदी भी हो सकते हैं। लेकिन, यदि आपने किसी नशे का सहारा लिया तो आपकी स्थिति और अधिक खराब हो सकती है। इसलिए आप हर तरह के व्यसन से दूर रहें।

यदि आप नौकरी करते हैं, तो अपने किए किसी काम से अचानक आपको काफी शोहरत मिल सकती है। आपकी पदोन्नति हो सकती है। यदि आपकी कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है या राहु से पीड़ित है, तो नौकरी में अचानक समस्याएं आ सकती हैं। यदि आप स्वयं का व्यवसाय करते हैं, तो अपने विरोधियों एवं कर्मचारियों से सावधान रहें। अपने व्यवसाय का हिसाब–किताब ठीक रखें, अन्यथा आप किसी मुसीबत में फँस सकते हैं। आपमें काफी आत्मविश्वास होगा, जिससे आप अपने रास्ते में आने वाली कठिनाईयों का सामना करने एवं सफलता प्राप्त करने में सक्षम होंगे। कुछ समय के लिए आपके दाम्पत्य जीवन में समस्या आ सकती है, लेकिन आप अपनी समझदारी से समस्या से निजात पाने में सक्षम होंगे। कोई भी नया कार्य सावधानीपूर्वक शुरू करें, सफलता प्राप्त होगी।

कंटक शनि

02/06/1995 – 10/08/1995

गोचर राशि – मीन

समयावधि :

0.0 y.2.0 m.9 d.

इस चरण के दौरान आपको काफी सचेत एवं सावधान रहना चाहिए। आपके जीवन में कई परिवर्तन हो सकते हैं। घरेलू जीवन में भी तनाव या झगड़े हो सकते हैं, जिन्हें टालना आपके एवं आपके भविष्य के लिए बहुत जरूरी है, अन्यथा आपको नुकसान हो सकता है। आप कोई यात्रा कर सकते हैं, जिसमें लाभ होने की काफी संभावना है। लेकिन इस लाभ के लिए आपको काफी मेहनत करनी पड़ सकती है, अन्यथा आप मौके का फायदा उठाने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। इस दौरान आप मकान या संपत्ति के किसी विवाद से दूर रहें, अन्यथा आपको हानि के साथ–साथ उलझन हो सकती है। किसी के उकसावे में ना आयें। आपके परिवार में कोई मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकता है। नीचले तबके की स्त्रियों से दूर रहें, उनके साथ किसी तरह का संबंध बनने की संभावना है। आपको किसी अपने विशेष से हानि हो सकती है।

इस चरण की शुरूआत से ही आप समस्याओं से ग्रस्त रह सकते हैं। आप समाज में अपमानित भी हो सकते हैं। इस चरण के मध्य में अपको अपने मित्रों से मदद प्राप्त हो सकती है। आपको अपनी वाणी एवं क्रोध पर नियंत्रण रखना चाहिए, अन्यथा लाभ की जगह हानि हो सकती है। किसी विशेष मेहमान के आने से मन खुश रहेगा। अधिक मेहनत के कारण आप अक्सर थकान महसूस कर सकते हैं। आप जितना अधिक मेहनत करेंगे, उतना

अधिक फल प्राप्त होगा। विवादों से दूर रहना आपके लिए श्रेष्ठकर होगा। आपको अपनी संतान पर अचानक खर्च करना पड़ सकता है। संपत्ति के लिए भाई–बंधुओं से विवाद हो सकता है। आपको अदालती कार्यवाई से लाभ प्राप्त हो सकता है या आप कोई पुराना मुकदमा जीत सकते हैं। आप धार्मिक कार्यों में काफी रूचि ले सकते हैं। आप किसी धार्मिक या सामाजिक आयोजन कराने वाली समिति के सक्रिय सदस्य हो सकते हैं। सम्माननीय लोगों का प्रत्यक्ष सहयोग प्राप्त होगा। धन का आवागमन लगा रहेगा, लेकिन आपको आर्थिक समस्या नहीं आएगी।

बड़ी संतान की ओर से आपको कुछ शुभ समाचार प्राप्त हो सकते हैं। आपकी संतान को कोई विशेष उपलब्धि प्राप्त हो सकती है। आपके शत्रु आपको हानि पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। किसी भी कागज पर बिना पढ़े हस्ताक्षर ना करें। आपका कोई खास मित्र आपको धोखा दे सकता है। आपके कार्यक्षेत्र में कुछ तनाव हो सकता है। यदि आप नौकरी करते हैं, तो किसी सहयोगी या वरिष्ठ अधिकारी के मेल से लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यह लाभ आपके लिए एक लालच भी हो सकता है, जिससे आपसे भविष्य में कोई गलत कार्य करवाया जा सके। आपको अपने किसी सहयोगी की गलती का खामियाजा भी भुगतना पड़ सकता है। इन सब कारणों से आप तनाव महसूस कर सकते हैं।

आपकी हर सफाई बेकार होगी और लोग आप पर विश्वास नहीं कर सकते हैं। आपकी सतक्रता एवं सावधानी ही आपकी मदद कर सकती है। किसी पुराने रोग के उभरने से आपको शल्यक्रिया भी करवानी पड़ सकती है। आप किसी धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं, जहां चोरी से हानि होने की संभावना हो सकती है। यदि आप स्वय का व्यवसाय करते हैं, तो आपको कुछ सफलता प्राप्त हो सकती है। आप किसी नए व्यवसाय में भी भाग्य आजमा सकते हैं। कोई भी नया काम हाथ में लेने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आप समय पर उसकी पूर्ति कर सकते हैं, अन्यथा आप दण्ड के भी भागी बन सकते हैं।

कंटक शनि

16/02/1996 – 17/04/1998

गोचर राशि – मीन

समयावधि :

2.0 y.1.0 m.30 d.

इस चरण के दौरान आपको काफी सचेत एवं सावधान रहना चाहिए। आपके जीवन में कई परिवर्तन हो सकते हैं। घरेलू जीवन में भी तनाव या झगड़े हो सकते हैं, जिन्हें टालना आपके एवं आपके भविष्य के लिए बहुत जरूरी है, अन्यथा आपको नुकसान हो सकता है। आप कोई यात्रा कर सकते हैं, जिसमें लाभ होने की काफी संभावना है। लेकिन इस लाभ के लिए आपको काफी मेहनत करनी पड़ सकती है, अन्यथा आप मौके का फायदा उठाने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। इस दौरान आप मकान या संपत्ति के किसी विवाद से दूर रहें, अन्यथा आपको हानि के साथ–साथ उलझन हो सकती है। किसी के उकसावे में ना आयें। आपके परिवार में कोई मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकता है। नीचले तबके की स्त्रियों से दूर रहें, उनके साथ किसी तरह का संबंध बनने की संभावना है। आपको किसी अपने विशेष से हानि हो सकती है।

इस चरण की शुरूआत से ही आप समस्याओं से ग्रस्त रह सकते हैं। आप समाज में अपमानित भी हो सकते हैं। इस चरण के मध्य में अपको अपने मित्रों से मदद प्राप्त हो सकती है। आपको अपनी वाणी एवं क्रोध पर नियंत्रण रखना चाहिए, अन्यथा लाभ की जगह हानि हो सकती है। किसी विशेष मेहमान के आने से मन खुश रहेगा। अधिक मेहनत के कारण आप अक्सर थकान महसूस कर सकते हैं। आप जितना अधिक मेहनत करेंगे, उतना अधिक फल प्राप्त होगा। विवादों से दूर रहना आपके लिए श्रेष्ठकर होगा। आपको अपनी संतान पर अचानक खर्च करना पड़ सकता है। संपत्ति के लिए भाई–बंधुओं से विवाद हो सकता है। आपको अदालती कार्यवाई से लाभ प्राप्त हो सकता है या आप कोई पुराना मुकदमा जीत सकते हैं। आप धार्मिक कार्यों में काफी रूचि ले सकते हैं। आप किसी धार्मिक या सामाजिक आयोजन कराने वाली समिति के सक्रिय सदस्य हो सकते हैं। सम्माननीय लोगों का प्रत्यक्ष सहयोग प्राप्त होगा। धन का आवागमन लगा रहेगा, लेकिन आपको आर्थिक समस्या नहीं आएगी।

बड़ी संतान की ओर से आपको कुछ शुभ समाचार प्राप्त हो सकते हैं। आपकी संतान को कोई विशेष उपलब्धि प्राप्त हो सकती है। आपके शत्रु आपको हानि पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। किसी भी कागज पर बिना पढ़े हस्ताक्षर ना करें। आपका कोई खास मित्र आपको धोखा दे सकता है। आपके कार्यक्षेत्र में कुछ तनाव हो सकता है। यदि आप नौकरी करते हैं, तो किसी सहयोगी या वरिष्ठ अधिकारी के मेल से लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यह लाभ आपके लिए एक लालच भी हो सकता है, जिससे आपसे भविष्य में कोई गलत कार्य करवाया जा सके। आपको अपने किसी सहयोगी की गलती का खामियाजा भी भुगतना पड़ सकता है। इन सब कारणों से आप तनाव महसूस कर सकते हैं।

आपकी हर सफाई बेकार होगी और लोग आप पर विश्वास नहीं कर सकते हैं। आपकी सतक्रता एवं सावधानी ही आपकी मदद कर सकती है। किसी पुराने रोग के उभरने से आपको शल्यक्रिया भी करवानी पड़ सकती है। आप किसी धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं, जहां चोरी से हानि होने की संभावना हो सकती है। यदि आप स्वय का व्यवसाय करते हैं, तो आपको कुछ सफलता प्राप्त हो सकती है। आप किसी नए व्यवसाय में भी भाग्य आजमा सकते हैं। कोई भी नया काम हाथ में लेने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आप समय पर उसकी पूर्ति कर सकते हैं, अन्यथा आप दण्ड के भी भागी बन सकते हैं।

अष्टम शनि

06/09/2004 – 13/01/2005

गोचर राशि – कर्क

समयावधि :

0.0 y.4.0 m.7 d.

इस चरण का फल आपकी कुण्डली में शनि की स्थिति पर अधिक निर्भर करता है। आपकी कुण्डली में शनि यदि शुक्र के प्रभाव में अधिक है, तो आपको अशुभ फल अधिक प्राप्त हो सकता है। इस चरण की शुरूआत में ही आपको सत्तापक्ष या अदालत से अशुभ समाचार प्राप्त हो सकता है या कोई दण्ड मिल सकता है। इसलिए जहां

तक संभव हो सके, अदालती कार्य को टालें एवं कोई भी ऐसा कार्य ना करें, जिससे अदालत से आपका संपक्र हो। आपको कोई रूका हुआ धन प्राप्त हो सकता है, लेकिन जितनी तेजी से प्राप्त होगा, उतनी ही तेजी से खर्च भी हो सकता है। आपको फोन या पत्र के माध्यम से कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। आप किसी महिला के संपक्र में आ सकते हैं, जिससे आपको सामाजिक एवं पारिवारिक रूप से अपमानित होना पड़ सकता है एवं आर्थिक हानि भी हो सकती है। आपकी पैतृक संपत्ति का बंटवारा भी हो सकता है। संपत्ति के लिए अपने भाइयों से आपका विवाद भी हो सकता है। यदि यह विवाद पुलिस तक पहुंच गया तो आपको अधिक हानि हो सकती है।

धन संबंधी मामलों में सावधानी बरतें। चोरी या उधार दिया हुआ धन वापस मिलने की संभावना नहीं है। कहीं भी सोच–समझकर ही धन का निवेश करें। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आपको कुछ हानि हो सकती है। आपका भुगतान रूक सकता है एवं संस्थान में चोरी की भी कुछ संभावनाएं हैं। आपका आर्थिक संतुलन बिगड़ सकता है। लेनदार आप पर हावी रहेंगे। किसी दूरस्थ स्थान की कोई व्यावसायिक यात्रा कर सकते हैं, लेकिन यहां भी आपको हानि हो सकती है। अपनी वाणी एवं क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा इससे भी आपको हानि हो सकती है। यदि आप नौकरी करते हैं, तो आपका स्थानान्तरण हो सकता है या अचानक हुई किसी गलती के कारण आपको हानि हो सकती है। यदि आपसे अनजाने में कोई गलती हुई है, तो अपने वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष स्वीकार कर लें। आपके सहकर्मी आपका विरोध कर सकते हैं एवं बड़े अधिकारियों से आपकी झूठी शिकायत कर सकते हैं।

चरण के मध्य में आपका कोई अधूरा कार्य पूर्ण हो सकता है, जिससे आप खुश हो सकते हैं। आपको मान–सम्मान के साथ–साथ आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो सकता है। किसी पुराने मित्र से आपकी मुलाकात हो सकती है। आप महत्वपूर्ण लोगों के संपक्र में आ सकते हैं एवं अपने प्रयासों से आप इनसे लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। मौके को हाथ से ना जाने दें। दूसरे क्षेत्रों में भी आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। आप किसी वृद्ध व्यक्ति के सहयोग से बड़ा लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आपकी आय में बढ़ोत्तरी होगी। परिवार के कारण आप चिन्तित रह सकते हैं। चरण के अन्त समय में कोई नया कार्य शुरू ना करें। वाहन चलाने में विशेष सावधानी बरतें।

अष्टम शनि

26/05/2005 – 01/11/2006

गोचर राशि – कर्क

समयावधि :

1.0 y.5.0 m.7 d.

इस चरण का फल आपकी कुण्डली में शनि की स्थिति पर अधिक निर्भर करता है। आपकी कुण्डली में शनि यदि शुक्र के प्रभाव में अधिक है, तो आपको अशुभ फल अधिक प्राप्त हो सकता है। इस चरण की शुरूआत में ही आपको सत्तापक्ष या अदालत से अशुभ समाचार प्राप्त हो सकता है या कोई दण्ड मिल सकता है। इसलिए जहां तक संभव हो सके, अदालती कार्य को टालें एवं कोई भी ऐसा कार्य ना करें, जिससे अदालत से आपका संपक्र

हो। आपको कोई रूका हुआ धन प्राप्त हो सकता है, लेकिन जितनी तेजी से प्राप्त होगा, उतनी ही तेजी से खर्च भी हो सकता है। आपको फोन या पत्र के माध्यम से कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। आप किसी महिला के संपक्र में आ सकते हैं, जिससे आपको सामाजिक एवं पारिवारिक रूप से अपमानित होना पड़ सकता है एवं आर्थिक हानि भी हो सकती है। आपकी पैतृक संपत्ति का बंटवारा भी हो सकता है। संपत्ति के लिए अपने भाइयों से आपका विवाद भी हो सकता है। यदि यह विवाद पुलिस तक पहुंच गया तो आपको अधिक हानि हो सकती है।

धन संबंधी मामलों में सावधानी बरतें। चोरी या उधार दिया हुआ धन वापस मिलने की संभावना नहीं है। कहीं भी सोच–समझकर ही धन का निवेश करें। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आपको कुछ हानि हो सकती है। आपका भुगतान रूक सकता है एवं संस्थान में चोरी की भी कुछ संभावनाएं हैं। आपका आर्थिक संतुलन बिगड़ सकता है। लेनदार आप पर हावी रहेंगे। किसी दूरस्थ स्थान की कोई व्यावसायिक यात्रा कर सकते हैं, लेकिन यहां भी आपको हानि हो सकती है। अपनी वाणी एवं क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा इससे भी आपको हानि हो सकती है। यदि आप नौकरी करते हैं, तो आपका स्थानान्तरण हो सकता है या अचानक हुई किसी गलती के कारण आपको हानि हो सकती है। यदि आपसे अनजाने में कोई गलती हुई है, तो अपने वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष स्वीकार कर लें। आपके सहकर्मी आपका विरोध कर सकते हैं एवं बड़े अधिकारियों से आपकी झूठी शिकायत कर सकते हैं।

चरण के मध्य में आपका कोई अधूरा कार्य पूर्ण हो सकता है, जिससे आप खुश हो सकते हैं। आपको मान–सम्मान के साथ–साथ आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो सकता है। किसी पुराने मित्र से आपकी मुलाकात हो सकती है। आप महत्वपूर्ण लोगों के संपक्र में आ सकते हैं एवं अपने प्रयासों से आप इनसे लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। मौके को हाथ से ना जाने दें। दूसरे क्षेत्रों में भी आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। आप किसी वृद्ध व्यक्ति के सहयोग से बड़ा लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आपकी आय में बढ़ोत्तरी होगी। परिवार के कारण आप चिन्तित रह सकते हैं। चरण के अन्त समय में कोई नया कार्य शुरू ना करें। वाहन चलाने में विशेष सावधानी बरतें।

अष्टम शनि

10/01/2007 – 16/07/2007

गोचर राशि – कर्क

समयावधि :

0.0 y.6.0 m.5 d.

इस चरण का फल आपकी कुण्डली में शनि की स्थिति पर अधिक निर्भर करता है। आपकी कुण्डली में शनि यदि शुक्र के प्रभाव में अधिक है, तो आपको अशुभ फल अधिक प्राप्त हो सकता है। इस चरण की शुरूआत में ही आपको सत्तापक्ष या अदालत से अशुभ समाचार प्राप्त हो सकता है या कोई दण्ड मिल सकता है। इसलिए जहां तक संभव हो सके, अदालती कार्य को टालें एवं कोई भी ऐसा कार्य ना करें, जिससे अदालत से आपका संपक्र हो। आपको कोई रूका हुआ धन प्राप्त हो सकता है, लेकिन जितनी तेजी से प्राप्त होगा, उतनी ही तेजी से खर्च

भी हो सकता है। आपको फोन या पत्र के माध्यम से कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। आप किसी महिला के संपक्र में आ सकते हैं, जिससे आपको सामाजिक एवं पारिवारिक रूप से अपमानित होना पड़ सकता है एवं आर्थिक हानि भी हो सकती है। आपकी पैतृक संपत्ति का बंटवारा भी हो सकता है। संपत्ति के लिए अपने भाइयों से आपका विवाद भी हो सकता है। यदि यह विवाद पुलिस तक पहुंच गया तो आपको अधिक हानि हो सकती है।

धन संबंधी मामलों में सावधानी बरतें। चोरी या उधार दिया हुआ धन वापस मिलने की संभावना नहीं है। कहीं भी सोच–समझकर ही धन का निवेश करें। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आपको कुछ हानि हो सकती है। आपका भुगतान रूक सकता है एवं संस्थान में चोरी की भी कुछ संभावनाएं हैं। आपका आर्थिक संतुलन बिगड़ सकता है। लेनदार आप पर हावी रहेंगे। किसी दूरस्थ स्थान की कोई व्यावसायिक यात्रा कर सकते हैं, लेकिन यहां भी आपको हानि हो सकती है। अपनी वाणी एवं क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा इससे भी आपको हानि हो सकती है। यदि आप नौकरी करते हैं, तो आपका स्थानान्तरण हो सकता है या अचानक हुई किसी गलती के कारण आपको हानि हो सकती है। यदि आपसे अनजाने में कोई गलती हुई है, तो अपने वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष स्वीकार कर लें। आपके सहकर्मी आपका विरोध कर सकते हैं एवं बड़े अधिकारियों से आपकी झूठी शिकायत कर सकते हैं।

चरण के मध्य में आपका कोई अधूरा कार्य पूर्ण हो सकता है, जिससे आप खुश हो सकते हैं। आपको मान–सम्मान के साथ–साथ आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो सकता है। किसी पुराने मित्र से आपकी मुलाकात हो सकती है। आप महत्वपूर्ण लोगों के संपक्र में आ सकते हैं एवं अपने प्रयासों से आप इनसे लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। मौके को हाथ से ना जाने दें। दूसरे क्षेत्रों में भी आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। आप किसी वृद्ध व्यक्ति के सहयोग से बड़ा लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आपकी आय में बढ़ोत्तरी होगी। परिवार के कारण आप चिन्तित रह सकते हैं। चरण के अन्त समय में कोई नया कार्य शुरू ना करें। वाहन चलाने में विशेष सावधानी बरतें।

द्वितिय चक्र

प्रथम ढ़ैय्या

02/11/2014 – 26/01/2017

गोचर राशि – वृश्.

समयावधि :

2.0 y.2.0 m.24 d.

इस चरण में आपको अशुभ फल प्राप्त हो सकते हैं। इस चरण के प्रारम्भ में ही आपको अधिक खर्चे करने पड़ सकते हैं। आपको शारीरिक कष्ट भी हो सकता है। अपने परिवार एवं बाहरी लोगों के व्यवहार से आपको मानसिक कष्ट हो सकता है। आपके कार्यों में रूकावट आएगी। यदि आप कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं, तो शुरूआत आसानी से हो जाएगी, लेकिन शुरू होते ही आपको समस्या होने लगेगी। इस चरण के दौरान आप

काफी आर्थिक तंगी महसूस कर सकते हैं। आपका संचित धन कम होगा और आप अक्सर गैरजरूरी कामों में अधिक खर्च कर सकते हैं, जिससे आप अधिक समस्या में आ सकते हैं।

इस पूरे चरण के दौरान वाहन चलाने में सावधानी बरतें। आपके सिर के पिछले हिस्से एवं दायें घुटने में गंभीर चोट लगने की संभावना है। आपके परिवार में कोई ना कोई अक्सर बीमार रह सकता है और आपको उनके उपर धन खर्च करना पड़ सकता है। नित्य नई–नई समस्याओं के कारण आपका मन अस्थिर रह सकता है। आपकी वाणी कठोर हो सकती है। आप गलत लोगों के संपक्र में आ सकते हैं, जिससे आप समाज में अपमानित हो सकते हैं एवं आपको कई तरह से हानि भी हो सकती है। आपको अपने कार्यक्षत्र में अधिक हानि हो सकती है।

आप अपने शत्रुओं से सावधान रहें। आपके शत्रुओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है। आपके शत्रु मौका मिलते ही आपको हानि पहुंचाने का प्रयत्न कर सकते हैं। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आपका व्यवसाय काफी प्रभावित हो सकता है। जिस चीज से आपको कभी ख्याति मिली भी, अब वही बदनामी का कारण हो सकता है। आपका भुगतान रूक सकता है। यदि आपकी कुण्डली में मंगल पीड़ित है, तो आपको आग से हानि होने की संभावना हो सकती है। यदि आप सरकारी नौकरी में हैं, तो आपको अक्सर विरोधियों का सामना करना पड़ सकता है।

आपके अधिकारी आपके काम में दोष निकाल सकते हैं, जिससे आपको मानसिक कष्ट हो सकता है और आपका काम अधिक बिगड़ सकता है। अपने खान–पान पर विशेष ध्यान दें। आपको कोई विष दे सकता है या आपका भोजन विषाक्त हो सकता है। अपच, गैस, अजीर्ण, स्नायुविकार, उन्माद आदि रोगों से ग्रसित हो सकते हैं। आपको अपने मान–सम्मान का भय नहीं हो सकता है। आप अपने ही कार्यों से हंसी के पात्र बन सकते हैं। आप काम वासना से पीड़ित रह सकते हैं, जिसकी वजह से आप अक्सर अपमानित हो सकते हैं।

आर्थिक तंगी होने के बावजूद किसी को प्रभावित करने के ख्याल से आप काफी दिखावा कर सकते हैं। आपका व्यवहार निम्नस्तरीय हो सकता है। आप हर जगह अपना स्वार्थ चाह सकते हैं। इस चरण के दौरान यदि आपकी आयु 36 से 48 वर्ष के मध्य है, तो आपको अधिक कष्ट हो सकता है। आपको ईश्वर पर विश्वास करते हुए बुरे समय को निकालना चाहिए।

प्रथम ढ़ैय्या

21/06/2017 – 26/10/2017

गोचर राशि – वृश्.

समयावधि :

0.0 y.4.0 m.6 d.

इस चरण में आपको अशुभ फल प्राप्त हो सकते हैं। इस चरण के प्रारम्भ में ही आपको अधिक खर्चे करने पड़ सकते हैं। आपको शारीरिक कष्ट भी हो सकता है। अपने परिवार एवं बाहरी लोगों के व्यवहार से आपको मानसिक कष्ट हो सकता है। आपके कार्यों में रूकावट आएगी। यदि आप कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं,

तो शुरूआत आसानी से हो जाएगी, लेकिन शुरू होते ही आपको समस्या होने लगेगी। इस चरण के दौरान आप काफी आर्थिक तंगी महसूस कर सकते हैं। आपका संचित धन कम होगा और आप अक्सर गैरजरूरी कामों में अधिक खर्च कर सकते हैं, जिससे आप अधिक समस्या में आ सकते हैं।

इस पूरे चरण के दौरान वाहन चलाने में सावधानी बरतें। आपके सिर के पिछले हिस्से एवं दायें घुटने में गंभीर चोट लगने की संभावना है। आपके परिवार में कोई ना कोई अक्सर बीमार रह सकता है और आपको उनके उपर धन खर्च करना पड़ सकता है। नित्य नई–नई समस्याओं के कारण आपका मन अस्थिर रह सकता है। आपकी वाणी कठोर हो सकती है। आप गलत लोगों के संपक्र में आ सकते हैं, जिससे आप समाज में अपमानित हो सकते हैं एवं आपको कई तरह से हानि भी हो सकती है। आपको अपने कार्यक्षत्र में अधिक हानि हो सकती है।

आप अपने शत्रुओं से सावधान रहें। आपके शत्रुओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है। आपके शत्रु मौका मिलते ही आपको हानि पहुंचाने का प्रयत्न कर सकते हैं। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आपका व्यवसाय काफी प्रभावित हो सकता है। जिस चीज से आपको कभी ख्याति मिली भी, अब वही बदनामी का कारण हो सकता है। आपका भुगतान रूक सकता है। यदि आपकी कुण्डली में मंगल पीड़ित है, तो आपको आग से हानि होने की संभावना हो सकती है। यदि आप सरकारी नौकरी में हैं, तो आपको अक्सर विरोधियों का सामना करना पड़ सकता है।

आपके अधिकारी आपके काम में दोष निकाल सकते हैं, जिससे आपको मानसिक कष्ट हो सकता है और आपका काम अधिक बिगड़ सकता है। अपने खान–पान पर विशेष ध्यान दें। आपको कोई विष दे सकता है या आपका भोजन विषाक्त हो सकता है। अपच, गैस, अजीर्ण, स्नायुविकार, उन्माद आदि रोगों से ग्रसित हो सकते हैं। आपको अपने मान–सम्मान का भय नहीं हो सकता है। आप अपने ही कार्यों से हंसी के पात्र बन सकते हैं। आप काम वासना से पीड़ित रह सकते हैं, जिसकी वजह से आप अक्सर अपमानित हो सकते हैं।

आर्थिक तंगी होने के बावजूद किसी को प्रभावित करने के ख्याल से आप काफी दिखावा कर सकते हैं। आपका व्यवहार निम्नस्तरीय हो सकता है। आप हर जगह अपना स्वार्थ चाह सकते हैं। इस चरण के दौरान यदि आपकी आयु 36 से 48 वर्ष के मध्य है, तो आपको अधिक कष्ट हो सकता है। आपको ईश्वर पर विश्वास करते हुए बुरे समय को निकालना चाहिए।

द्वितिय ढ़ैय्या

26/01/2017 – 21/06/2017

गोचर राशि – धनु

समयावधि :

0.0 y.4.0 m.24 d.

इस चरण में आपको मिश्रित फल प्राप्त होगा। यदि आप कुछ उपाय करें, तो आपको शुभ फल अधिक प्राप्त हो सकते हैं। इस चरण के प्रारम्भ से ही आपको शुभ फल मिलना शुरू हो जाएगा। अपनी मेहनत से आपकी आय

में वृद्धि हो सकती है। आप जितनी अधिक मेहनत करेंगे, उससे अधिक आपको शुभ फल प्राप्त होगा। अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें। अत्यधिक कार्य के कारण आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है। आप गुर्दे के रोग एवं कब्ज से पीड़ित हो सकते हैं। लगातार मेहनत एवं कम नींद लेने के कारण आप शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं। आपमें अधिक धन कमाने की चाहत होगी और आप इसके लिए कुछ भी करने को तैयार रहेंगे। आपका दाम्पत्य जीवन सुखद होगा। आपके कुछ रिश्तेदार आपके सुखद जीवन से खुश नहीं हो सकते हैं और वे आपस में झगड़ा करवाने का सतत प्रयास कर सकते हैं।

यदि आप सरकारी नौकरी में हैं, तो आपको कोई विशेष उपलब्धि प्राप्त नहीं हो सकती है। आपको उतना ही प्राप्त होगा, जितनी आप मेहनत करेंगे। अपने अधिकारियों से आपके मधुर संबंध रहेंगे, जिससे भविष्य में आप लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आपको काफी लाभ प्राप्त हो सकता है। अपने व्यवसाय की कोई नई शाखा भी खोल सकते हैं। इस चरण के दौरान आप वरिष्ठ राजनीतिक एवं सामाजिक लोगों के संपक्र में आप सकते हैं। आपके छोटे भाई–बहन भी काफी उन्नति करेंगे। आप अपने परिवार का काफी सहयोग करेंगे। आपके परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। इस दौरान आपका स्वभाव एवं विचार काफी धार्मिक हो सकता है। आप धर्म, ज्योतिष एवं तंत्र–मंत्र पर काफी विश्वास कर सकते हैं। यदि आपकी कुण्डली में शनि पर किसी पापी ग्रह की दृष्टि या कोई अन्य संबंध है, तो अपने पिता से आपके संबंध खराब हो सकते हैं। आपके मित्र एवं परिवार के सदस्य विरोधी हो सकते हैं।

यदि आपकी कुण्डली में किसी पापी ग्रह की दशा चल रही है, तो आप अपनी आर्थिक स्थिति संभालने का प्रयास कर सकते हैं, लेकिन स्थिति और बिगड़ सकती है। आप नाक, कान, गला, त्वचा एवं गुप्त रोगों से ग्रसित रह सकते हैं। यदि आपकी कुण्डली में शुक्र अशुभ प्रभाव में है, तो आपको यौन रोग भी हो सकता है। आपको काफी सचेत और सावधान रहना चाहिए। सिर में चोट, पत्थर से चोट, गिरने से चोट, बिजली, विष एवं आग से हानि होने की संभावना हो सकती है। अपने अथक प्रयास के बावजूद आप धन संचय नहीं कर सकते हैं। परिवार में अक्सर क्लेश हो सकता है। अपनी संतान से भी अपमानित हो सकते हैं।

इस चरण के अन्त समय में आपको कोई अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है या आपका कोई मनोवांछित कार्य सम्पन्न हो सकता है। आपको धैर्य से काम लेना चाहिए। आपको अक्सर लाभ प्राप्त होते रहेंगे। जिन लोगों ने कभी आपका अपमान किया था या आपसे दूर भागते थे, वे आपसे मित्रता करना चाह सकते हैं। लेकिन ऐसे लोगों से आपको सावधान रहना चाहिए।

द्वितिय ढ़ैय्या

26/10/2017 – 24/01/2020

गोचर राशि – धनु

समयावधि :

2.0 y.2.0 m.29 d.

इस चरण में आपको मिश्रित फल प्राप्त होगा। यदि आप कुछ उपाय करें, तो आपको शुभ फल अधिक प्राप्त हो सकते हैं। इस चरण के प्रारम्भ से ही आपको शुभ फल मिलना शुरू हो जाएगा। अपनी मेहनत से आपकी आय में वृद्धि हो सकती है। आप जितनी अधिक मेहनत करेंगे, उससे अधिक आपको शुभ फल प्राप्त होगा। अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें। अत्यधिक कार्य के कारण आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है। आप गुर्दे के रोग एवं कब्ज से पीड़ित हो सकते हैं। लगातार मेहनत एवं कम नींद लेने के कारण आप शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं। आपमें अधिक धन कमाने की चाहत होगी और आप इसके लिए कुछ भी करने को तैयार रहेंगे। आपका दाम्पत्य जीवन सुखद होगा। आपके कुछ रिश्तेदार आपके सुखद जीवन से खुश नहीं हो सकते हैं और वे आपस में झगड़ा करवाने का सतत प्रयास कर सकते हैं।

यदि आप सरकारी नौकरी में हैं, तो आपको कोई विशेष उपलब्धि प्राप्त नहीं हो सकती है। आपको उतना ही प्राप्त होगा, जितनी आप मेहनत करेंगे। अपने अधिकारियों से आपके मधुर संबंध रहेंगे, जिससे भविष्य में आप लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आपको काफी लाभ प्राप्त हो सकता है। अपने व्यवसाय की कोई नई शाखा भी खोल सकते हैं। इस चरण के दौरान आप वरिष्ठ राजनीतिक एवं सामाजिक लोगों के संपक्र में आप सकते हैं। आपके छोटे भाई–बहन भी काफी उन्नति करेंगे। आप अपने परिवार का काफी सहयोग करेंगे। आपके परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। इस दौरान आपका स्वभाव एवं विचार काफी धार्मिक हो सकता है। आप धर्म, ज्योतिष एवं तंत्र–मंत्र पर काफी विश्वास कर सकते हैं। यदि आपकी कुण्डली में शनि पर किसी पापी ग्रह की दृष्टि या कोई अन्य संबंध है, तो अपने पिता से आपके संबंध खराब हो सकते हैं। आपके मित्र एवं परिवार के सदस्य विरोधी हो सकते हैं।

यदि आपकी कुण्डली में किसी पापी ग्रह की दशा चल रही है, तो आप अपनी आर्थिक स्थिति संभालने का प्रयास कर सकते हैं, लेकिन स्थिति और बिगड़ सकती है। आप नाक, कान, गला, त्वचा एवं गुप्त रोगों से ग्रसित रह सकते हैं। यदि आपकी कुण्डली में शुक्र अशुभ प्रभाव में है, तो आपको यौन रोग भी हो सकता है। आपको काफी सचेत और सावधान रहना चाहिए। सिर में चोट, पत्थर से चोट, गिरने से चोट, बिजली, विष एवं आग से हानि होने की संभावना हो सकती है। अपने अथक प्रयास के बावजूद आप धन संचय नहीं कर सकते हैं। परिवार में अक्सर क्लेश हो सकता है। अपनी संतान से भी अपमानित हो सकते हैं।

इस चरण के अन्त समय में आपको कोई अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है या आपका कोई मनोवांछित कार्य सम्पन्न हो सकता है। आपको धैर्य से काम लेना चाहिए। आपको अक्सर लाभ प्राप्त होते रहेंगे। जिन लोगों ने कभी आपका अपमान किया था या आपसे दूर भागते थे, वे आपसे मित्रता करना चाह सकते हैं। लेकिन ऐसे लोगों से आपको सावधान रहना चाहिए।

तृतिय ढ़ैय्या

24/01/2020 – 29/04/2022

गोचर राशि – मक.

समयावधि :

2.0 y.3.0 m.4 d.

इस चरण में आपको शुभ फल अधिक प्राप्त हो सकते हैं। हालांकि, बीच–बीच में आपको अपना मनचाहा फल प्राप्त नहीं हो सकता है। इस पूरे चरण के दौरान आप अधिक धन कमाने के लिए काफी मेहनत कर सकते हैं, जिससे आप शारीरिक एवं मानसिक रूप से कमजोर महसूस कर सकते हैं। आपको आर्थिक लाभ प्राप्त होंगे। पिछले समय की तुलना में आप आर्थिक रूप से मजबूत होंगे। अपने मित्रों एवं सहयोगियों के साथ आपके मधुर संबंध होंगे। आप सत्यप्रिय एवं मधुरभाषी होंगे तथा अन्य लोगों से भी ऐसा ही उम्मीद करेंगे। अपने बुरे समय में धन संचय के लिए किए गए कार्यों का शुभ फल प्राप्त कर सकते हैं। अपनी मेहनत से अर्जित धन को खर्च करने में कुछ कंजूसी कर सकते हैं। आप धार्मिक विचारों के हो सकते हैं। कुछ समस्याओं एवं विरोधों के बाद आपको पैतृक सम्पत्ति प्राप्त हो सकती है। आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल होगा एवं आप भूमि या भवन खरीदने का विचार कर सकते हैं।

आप धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में काफी रूचि लेंगे। इस दौरान आपको कोई सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। आपको अपने पुराने बिगड़े संबंधों को ठीक करने का प्रयास करना चाहिए। आपके प्रयास सार्थक होंगे। पहले से चल रहे कार्य पूर्ण होंगे एवं उनसे आप लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आपको अपने खान–पान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। यदि आपकी कुण्डली में किसी पापी ग्रह की दशा चल रही है या शनि पर किसी पापी ग्रह का प्रभाव है, तो आपके कार्यों में रूकावट आ सकती है, जिससे आप मानसिक रूप से परेशान हो सकते हैं। परेशानी में आप किसी नशे के आदी भी हो सकते हैं। लेकिन, यदि आपने किसी नशे का सहारा लिया तो आपकी स्थिति और अधिक खराब हो सकती है। इसलिए आप हर तरह के व्यसन से दूर रहें।

यदि आप नौकरी करते हैं, तो अपने किए किसी काम से अचानक आपको काफी शोहरत मिल सकती है। आपकी पदोन्नति हो सकती है। यदि आपकी कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है या राहु से पीड़ित है, तो नौकरी में अचानक समस्याएं आ सकती हैं। यदि आप स्वयं का व्यवसाय करते हैं, तो अपने विरोधियों एवं कर्मचारियों से सावधान रहें। अपने व्यवसाय का हिसाब–किताब ठीक रखें, अन्यथा आप किसी मुसीबत में फँस सकते हैं। आपमें काफी आत्मविश्वास होगा, जिससे आप अपने रास्ते में आने वाली कठिनाईयों का सामना करने एवं सफलता प्राप्त करने में सक्षम होंगे। कुछ समय के लिए आपके दाम्पत्य जीवन में समस्या आ सकती है, लेकिन आप अपनी समझदारी से समस्या से निजात पाने में सक्षम होंगे। कोई भी नया कार्य सावधानीपूर्वक शुरू करें, सफलता प्राप्त होगी।

तृतिय ढ़ैय्या

12/07/2022 – 17/01/2023

गोचर राशि – मक.

समयावधि :

0.0 y.6.0 m.7 d.

इस चरण में आपको शुभ फल अधिक प्राप्त हो सकते हैं। हालांकि, बीच–बीच में आपको अपना मनचाहा फल प्राप्त नहीं हो सकता है। इस पूरे चरण के दौरान आप अधिक धन कमाने के लिए काफी मेहनत कर सकते हैं, जिससे आप शारीरिक एवं मानसिक रूप से कमजोर महसूस कर सकते हैं। आपको आर्थिक लाभ प्राप्त होंगे। पिछले समय की तुलना में आप आर्थिक रूप से मजबूत होंगे। अपने मित्रों एवं सहयोगियों के साथ आपके मधुर संबंध होंगे। आप सत्यप्रिय एवं मधुरभाषी होंगे तथा अन्य लोगों से भी ऐसा ही उम्मीद करेंगे। अपने बुरे समय में धन संचय के लिए किए गए कार्यों का शुभ फल प्राप्त कर सकते हैं। अपनी मेहनत से अर्जित धन को खर्च करने में कुछ कंजूसी कर सकते हैं। आप धार्मिक विचारों के हो सकते हैं। कुछ समस्याओं एवं विरोधों के बाद आपको पैतृक सम्पत्ति प्राप्त हो सकती है। आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल होगा एवं आप भूमि या भवन खरीदने का विचार कर सकते हैं।

आप धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में काफी रूचि लेंगे। इस दौरान आपको कोई सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। आपको अपने पुराने बिगड़े संबंधों को ठीक करने का प्रयास करना चाहिए। आपके प्रयास सार्थक होंगे। पहले से चल रहे कार्य पूर्ण होंगे एवं उनसे आप लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आपको अपने खान–पान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। यदि आपकी कुण्डली में किसी पापी ग्रह की दशा चल रही है या शनि पर किसी पापी ग्रह का प्रभाव है, तो आपके कार्यों में रूकावट आ सकती है, जिससे आप मानसिक रूप से परेशान हो सकते हैं। परेशानी में आप किसी नशे के आदी भी हो सकते हैं। लेकिन, यदि आपने किसी नशे का सहारा लिया तो आपकी स्थिति और अधिक खराब हो सकती है। इसलिए आप हर तरह के व्यसन से दूर रहें।

यदि आप नौकरी करते हैं, तो अपने किए किसी काम से अचानक आपको काफी शोहरत मिल सकती है। आपकी पदोन्नति हो सकती है। यदि आपकी कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है या राहु से पीड़ित है, तो नौकरी में अचानक समस्याएं आ सकती हैं। यदि आप स्वयं का व्यवसाय करते हैं, तो अपने विरोधियों एवं कर्मचारियों से सावधान रहें। अपने व्यवसाय का हिसाब–किताब ठीक रखें, अन्यथा आप किसी मुसीबत में फँस सकते हैं। आपमें काफी आत्मविश्वास होगा, जिससे आप अपने रास्ते में आने वाली कठिनाईयों का सामना करने एवं सफलता प्राप्त करने में सक्षम होंगे। कुछ समय के लिए आपके दाम्पत्य जीवन में समस्या आ सकती है, लेकिन आप अपनी समझदारी से समस्या से निजात पाने में सक्षम होंगे। कोई भी नया कार्य सावधानीपूर्वक शुरू करें, सफलता प्राप्त होगी।

कंटक शनि

29/03/2025 – 03/06/2027

गोचर राशि – मीन

समयावधि :

2.0 y.2.0 m.6 d.

इस चरण के दौरान आपको काफी सचेत एवं सावधान रहना चाहिए। आपके जीवन में कई परिवर्तन हो सकते हैं। घरेलू जीवन में भी तनाव या झगड़े हो सकते हैं, जिन्हें टालना आपके एवं आपके भविष्य के लिए बहुत

जरूरी है, अन्यथा आपको नुकसान हो सकता है। आप कोई यात्रा कर सकते हैं, जिसमें लाभ होने की काफी संभावना है। लेकिन इस लाभ के लिए आपको काफी मेहनत करनी पड़ सकती है, अन्यथा आप मौके का फायदा उठाने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। इस दौरान आप मकान या संपत्ति के किसी विवाद से दूर रहें, अन्यथा आपको हानि के साथ–साथ उलझन हो सकती है। किसी के उकसावे में ना आयें। आपके परिवार में कोई मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकता है। नीचले तबके की स्त्रियों से दूर रहें, उनके साथ किसी तरह का संबंध बनने की संभावना है। आपको किसी अपने विशेष से हानि हो सकती है।

इस चरण की शुरूआत से ही आप समस्याओं से ग्रस्त रह सकते हैं। आप समाज में अपमानित भी हो सकते हैं। इस चरण के मध्य में अपको अपने मित्रों से मदद प्राप्त हो सकती है। आपको अपनी वाणी एवं क्रोध पर नियंत्रण रखना चाहिए, अन्यथा लाभ की जगह हानि हो सकती है। किसी विशेष मेहमान के आने से मन खुश रहेगा। अधिक मेहनत के कारण आप अक्सर थकान महसूस कर सकते हैं। आप जितना अधिक मेहनत करेंगे, उतना अधिक फल प्राप्त होगा। विवादों से दूर रहना आपके लिए श्रेष्ठकर होगा। आपको अपनी संतान पर अचानक खर्च करना पड़ सकता है। संपत्ति के लिए भाई–बंधुओं से विवाद हो सकता है। आपको अदालती कार्यवाई से लाभ प्राप्त हो सकता है या आप कोई पुराना मुकदमा जीत सकते हैं। आप धार्मिक कार्यों में काफी रूचि ले सकते हैं। आप किसी धार्मिक या सामाजिक आयोजन कराने वाली समिति के सक्रिय सदस्य हो सकते हैं। सम्माननीय लोगों का प्रत्यक्ष सहयोग प्राप्त होगा। धन का आवागमन लगा रहेगा, लेकिन आपको आर्थिक समस्या नहीं आएगी।

बड़ी संतान की ओर से आपको कुछ शुभ समाचार प्राप्त हो सकते हैं। आपकी संतान को कोई विशेष उपलब्धि प्राप्त हो सकती है। आपके शत्रु आपको हानि पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। किसी भी कागज पर बिना पढ़े हस्ताक्षर ना करें। आपका कोई खास मित्र आपको धोखा दे सकता है। आपके कार्यक्षेत्र में कुछ तनाव हो सकता है। यदि आप नौकरी करते हैं, तो किसी सहयोगी या वरिष्ठ अधिकारी के मेल से लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यह लाभ आपके लिए एक लालच भी हो सकता है, जिससे आपसे भविष्य में कोई गलत कार्य करवाया जा सके। आपको अपने किसी सहयोगी की गलती का खामियाजा भी भुगतना पड़ सकता है। इन सब कारणों से आप तनाव महसूस कर सकते हैं।

आपकी हर सफाई बेकार होगी और लोग आप पर विश्वास नहीं कर सकते हैं। आपकी सतक्रता एवं सावधानी ही आपकी मदद कर सकती है। किसी पुराने रोग के उभरने से आपको शल्यक्रिया भी करवानी पड़ सकती है। आप किसी धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं, जहां चोरी से हानि होने की संभावना हो सकती है। यदि आप स्वय का व्यवसाय करते हैं, तो आपको कुछ सफलता प्राप्त हो सकती है। आप किसी नए व्यवसाय में भी भाग्य आजमा सकते हैं। कोई भी नया काम हाथ में लेने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आप समय पर उसकी पूर्ति कर सकते हैं, अन्यथा आप दण्ड के भी भागी बन सकते हैं।

कंटक शनि

20/10/2027 – 23/02/2028

गोचर राशि – मीन

समयावधि :

0.0 y.4.0 m.5 d.

इस चरण के दौरान आपको काफी सचेत एवं सावधान रहना चाहिए। आपके जीवन में कई परिवर्तन हो सकते हैं। घरेलू जीवन में भी तनाव या झगड़े हो सकते हैं, जिन्हें टालना आपके एवं आपके भविष्य के लिए बहुत जरूरी है, अन्यथा आपको नुकसान हो सकता है। आप कोई यात्रा कर सकते हैं, जिसमें लाभ होने की काफी संभावना है। लेकिन इस लाभ के लिए आपको काफी मेहनत करनी पड़ सकती है, अन्यथा आप मौके का फायदा उठाने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। इस दौरान आप मकान या संपत्ति के किसी विवाद से दूर रहें, अन्यथा आपको हानि के साथ–साथ उलझन हो सकती है। किसी के उकसावे में ना आयें। आपके परिवार में कोई मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकता है। नीचले तबके की स्त्रियों से दूर रहें, उनके साथ किसी तरह का संबंध बनने की संभावना है। आपको किसी अपने विशेष से हानि हो सकती है।

इस चरण की शुरूआत से ही आप समस्याओं से ग्रस्त रह सकते हैं। आप समाज में अपमानित भी हो सकते हैं। इस चरण के मध्य में अपको अपने मित्रों से मदद प्राप्त हो सकती है। आपको अपनी वाणी एवं क्रोध पर नियंत्रण रखना चाहिए, अन्यथा लाभ की जगह हानि हो सकती है। किसी विशेष मेहमान के आने से मन खुश रहेगा। अधिक मेहनत के कारण आप अक्सर थकान महसूस कर सकते हैं। आप जितना अधिक मेहनत करेंगे, उतना अधिक फल प्राप्त होगा। विवादों से दूर रहना आपके लिए श्रेष्ठकर होगा। आपको अपनी संतान पर अचानक खर्च करना पड़ सकता है। संपत्ति के लिए भाई–बंधुओं से विवाद हो सकता है। आपको अदालती कार्यवाई से लाभ प्राप्त हो सकता है या आप कोई पुराना मुकदमा जीत सकते हैं। आप धार्मिक कार्यों में काफी रूचि ले सकते हैं। आप किसी धार्मिक या सामाजिक आयोजन कराने वाली समिति के सक्रिय सदस्य हो सकते हैं। सम्माननीय लोगों का प्रत्यक्ष सहयोग प्राप्त होगा। धन का आवागमन लगा रहेगा, लेकिन आपको आर्थिक समस्या नहीं आएगी।

बड़ी संतान की ओर से आपको कुछ शुभ समाचार प्राप्त हो सकते हैं। आपकी संतान को कोई विशेष उपलब्धि प्राप्त हो सकती है। आपके शत्रु आपको हानि पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। किसी भी कागज पर बिना पढ़े हस्ताक्षर ना करें। आपका कोई खास मित्र आपको धोखा दे सकता है। आपके कार्यक्षेत्र में कुछ तनाव हो सकता है। यदि आप नौकरी करते हैं, तो किसी सहयोगी या वरिष्ठ अधिकारी के मेल से लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यह लाभ आपके लिए एक लालच भी हो सकता है, जिससे आपसे भविष्य में कोई गलत कार्य करवाया जा सके। आपको अपने किसी सहयोगी की गलती का खामियाजा भी भुगतना पड़ सकता है। इन सब कारणों से आप तनाव महसूस कर सकते हैं।

आपकी हर सफाई बेकार होगी और लोग आप पर विश्वास नहीं कर सकते हैं। आपकी सतक्रता एवं सावधानी ही आपकी मदद कर सकती है। किसी पुराने रोग के उभरने से आपको शल्यक्रिया भी करवानी पड़ सकती है। आप किसी धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं, जहां चोरी से हानि होने की संभावना हो सकती है। यदि आप स्वय

का व्यवसाय करते हैं, तो आपको कुछ सफलता प्राप्त हो सकती है। आप किसी नए व्यवसाय में भी भाग्य आजमा सकते हैं। कोई भी नया काम हाथ में लेने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आप समय पर उसकी पूर्ति कर सकते हैं, अन्यथा आप दण्ड के भी भागी बन सकते हैं।

अष्टम शनि

13/07/2034 – 27/08/2036

गोचर राशि – कर्क

समयावधि :

2.0 y.1.0 m.15 d.

इस चरण का फल आपकी कुण्डली में शनि की स्थिति पर अधिक निर्भर करता है। आपकी कुण्डली में शनि यदि शुक्र के प्रभाव में अधिक है, तो आपको अशुभ फल अधिक प्राप्त हो सकता है। इस चरण की शुरूआत में ही आपको सत्तापक्ष या अदालत से अशुभ समाचार प्राप्त हो सकता है या कोई दण्ड मिल सकता है। इसलिए जहां तक संभव हो सके, अदालती कार्य को टालें एवं कोई भी ऐसा कार्य ना करें, जिससे अदालत से आपका संपक्र हो। आपको कोई रूका हुआ धन प्राप्त हो सकता है, लेकिन जितनी तेजी से प्राप्त होगा, उतनी ही तेजी से खर्च भी हो सकता है। आपको फोन या पत्र के माध्यम से कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। आप किसी महिला के संपक्र में आ सकते हैं, जिससे आपको सामाजिक एवं पारिवारिक रूप से अपमानित होना पड़ सकता है एवं आर्थिक हानि भी हो सकती है। आपकी पैतृक संपत्ति का बंटवारा भी हो सकता है। संपत्ति के लिए अपने भाइयों से आपका विवाद भी हो सकता है। यदि यह विवाद पुलिस तक पहुंच गया तो आपको अधिक हानि हो सकती है।

धन संबंधी मामलों में सावधानी बरतें। चोरी या उधार दिया हुआ धन वापस मिलने की संभावना नहीं है। कहीं भी सोच–समझकर ही धन का निवेश करें। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आपको कुछ हानि हो सकती है। आपका भुगतान रूक सकता है एवं संस्थान में चोरी की भी कुछ संभावनाएं हैं। आपका आर्थिक संतुलन बिगड़ सकता है। लेनदार आप पर हावी रहेंगे। किसी दूरस्थ स्थान की कोई व्यावसायिक यात्रा कर सकते हैं, लेकिन यहां भी आपको हानि हो सकती है। अपनी वाणी एवं क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा इससे भी आपको हानि हो सकती है। यदि आप नौकरी करते हैं, तो आपका स्थानान्तरण हो सकता है या अचानक हुई किसी गलती के कारण आपको हानि हो सकती है। यदि आपसे अनजाने में कोई गलती हुई है, तो अपने वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष स्वीकार कर लें। आपके सहकर्मी आपका विरोध कर सकते हैं एवं बड़े अधिकारियों से आपकी झूठी शिकायत कर सकते हैं।

चरण के मध्य में आपका कोई अधूरा कार्य पूर्ण हो सकता है, जिससे आप खुश हो सकते हैं। आपको मान–सम्मान के साथ–साथ आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो सकता है। किसी पुराने मित्र से आपकी मुलाकात हो सकती है। आप महत्वपूर्ण लोगों के संपक्र में आ सकते हैं एवं अपने प्रयासों से आप इनसे लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। मौके को हाथ से ना जाने दें। दूसरे क्षेत्रों में भी आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। आप किसी वृद्ध व्यक्ति

के सहयोग से बड़ा लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आपकी आय में बढ़ोत्तरी होगी। परिवार के कारण आप चिन्तित रह सकते हैं। चरण के अन्त समय में कोई नया कार्य शुरू ना करें। वाहन चलाने में विशेष सावधानी बरतें।

तृतिय चक्र

प्रथम ढ़ैय्या

11/12/2043 – 23/06/2044

गोचर राशि – वृश्चि.

समयावधि :

0.0 y.6.0 m.12 d.

इस चरण में आपको अशुभ फल प्राप्त हो सकते हैं। इस चरण के प्रारम्भ में ही आपको अधिक खर्चे करने पड़ सकते हैं। आपको शारीरिक कष्ट भी हो सकता है। अपने परिवार एवं बाहरी लोगों के व्यवहार से आपको मानसिक कष्ट हो सकता है। आपके कार्यों में रूकावट आएगी। यदि आप कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं, तो शुरूआत आसानी से हो जाएगी, लेकिन शुरू होते ही आपको समस्या होने लगेगी। इस चरण के दौरान आप काफी आर्थिक तंगी महसूस कर सकते हैं। आपका संचित धन कम होगा और आप अक्सर गैरजरूरी कामों में अधिक खर्च कर सकते हैं, जिससे आप अधिक समस्या में आ सकते हैं।

इस पूरे चरण के दौरान वाहन चलाने में सावधानी बरतें। आपके सिर के पिछले हिस्से एवं दायें घुटने में गंभीर चोट लगने की संभावना है। आपके परिवार में कोई ना कोई अक्सर बीमार रह सकता है और आपको उनके उपर धन खर्च करना पड़ सकता है। नित्य नई–नई समस्याओं के कारण आपका मन अस्थिर रह सकता है। आपकी वाणी कठोर हो सकती है। आप गलत लोगों के संपक्र में आ सकते हैं, जिससे आप समाज में अपमानित हो सकते हैं एवं आपको कई तरह से हानि भी हो सकती है। आपको अपने कार्यक्षत्र में अधिक हानि हो सकती है।

आप अपने शत्रुओं से सावधान रहें। आपके शत्रुओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है। आपके शत्रु मौका मिलते ही आपको हानि पहुंचाने का प्रयत्न कर सकते हैं। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आपका व्यवसाय काफी प्रभावित हो सकता है। जिस चीज से आपको कभी ख्याति मिली भी, अब वही बदनामी का कारण हो सकता है। आपका भुगतान रूक सकता है। यदि आपकी कुण्डली में मंगल पीड़ित है, तो आपको आग से हानि होने की संभावना हो सकती है। यदि आप सरकारी नौकरी में हैं, तो आपको अक्सर विरोधियों का सामना करना पड़ सकता है।

आपके अधिकारी आपके काम में दोष निकाल सकते हैं, जिससे आपको मानसिक कष्ट हो सकता है और आपका काम अधिक बिगड़ सकता है। अपने खान–पान पर विशेष ध्यान दें। आपको कोई विष दे सकता है या आपका भोजन विषाक्त हो सकता है। अपच, गैस, अजीर्ण, स्नायुविकार, उन्माद आदि रोगों से ग्रसित हो सकते हैं। आपको अपने मान–सम्मान का भय नहीं हो सकता है। आप अपने ही कार्यों से हंसी के पात्र बन सकते हैं। आप काम वासना से पीड़ित रह सकते हैं, जिसकी वजह से आप अक्सर अपमानित हो सकते हैं।

आर्थिक तंगी होने के बावजूद किसी को प्रभावित करने के ख्याल से आप काफी दिखावा कर सकते हैं। आपका व्यवहार निम्नस्तरीय हो सकता है। आप हर जगह अपना स्वार्थ चाह सकते हैं। इस चरण के दौरान यदि आपकी आयु 36 से 48 वर्ष के मध्य है, तो आपको अधिक कष्ट हो सकता है। आपको ईश्वर पर विश्वास करते हुए बुरे समय को निकालना चाहिए।

प्रथम ढ़ैय्या

30/08/2044 – 08/12/2046

गोचर राशि – वृश्चि.

समयावधि :

2.0 y.3.0 m.9 d.

इस चरण में आपको अशुभ फल प्राप्त हो सकते हैं। इस चरण के प्रारम्भ में ही आपको अधिक खर्चे करने पड़ सकते हैं। आपको शारीरिक कष्ट भी हो सकता है। अपने परिवार एवं बाहरी लोगों के व्यवहार से आपको मानसिक कष्ट हो सकता है। आपके कार्यों में रूकावट आएगी। यदि आप कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं, तो शुरूआत आसानी से हो जाएगी, लेकिन शुरू होते ही आपको समस्या होने लगेगी। इस चरण के दौरान आप काफी आर्थिक तंगी महसूस कर सकते हैं। आपका संचित धन कम होगा और आप अक्सर गैरजरूरी कामों में अधिक खर्च कर सकते हैं, जिससे आप अधिक समस्या में आ सकते हैं।

इस पूरे चरण के दौरान वाहन चलाने में सावधानी बरतें। आपके सिर के पिछले हिस्से एवं दायें घुटने में गंभीर चोट लगने की संभावना है। आपके परिवार में कोई ना कोई अक्सर बीमार रह सकता है और आपको उनके उपर धन खर्च करना पड़ सकता है। नित्य नई–नई समस्याओं के कारण आपका मन अस्थिर रह सकता है। आपकी वाणी कठोर हो सकती है। आप गलत लोगों के संपक्र में आ सकते हैं, जिससे आप समाज में अपमानित हो सकते हैं एवं आपको कई तरह से हानि भी हो सकती है। आपको अपने कार्यक्षत्र में अधिक हानि हो सकती है।

आप अपने शत्रुओं से सावधान रहें। आपके शत्रुओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है। आपके शत्रु मौका मिलते ही आपको हानि पहुंचाने का प्रयत्न कर सकते हैं। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आपका व्यवसाय काफी प्रभावित हो सकता है। जिस चीज से आपको कभी ख्याति मिली भी, अब वही बदनामी का कारण हो सकता है। आपका भुगतान रूक सकता है। यदि आपकी कुण्डली में मंगल पीड़ित है, तो आपको आग से हानि होने की संभावना हो सकती है। यदि आप सरकारी नौकरी में हैं, तो आपको अक्सर विरोधियों का सामना करना पड़ सकता है।

आपके अधिकारी आपके काम में दोष निकाल सकते हैं, जिससे आपको मानसिक कष्ट हो सकता है और आपका काम अधिक बिगड़ सकता है। अपने खान–पान पर विशेष ध्यान दें। आपको कोई विष दे सकता है या आपका भोजन विषाक्त हो सकता है। अपच, गैस, अजीर्ण, स्नायुविकार, उन्माद आदि रोगों से ग्रसित हो सकते हैं। आपको अपने मान–सम्मान का भय नहीं हो सकता है। आप अपने ही कार्यों से हंसी के पात्र बन सकते हैं। आप

काम वासना से पीड़ित रह सकते हैं, जिसकी वजह से आप अक्सर अपमानित हो सकते हैं।

आर्थिक तंगी होने के बावजूद किसी को प्रभावित करने के ख्याल से आप काफी दिखावा कर सकते हैं। आपका व्यवहार निम्नस्तरीय हो सकता है। आप हर जगह अपना स्वार्थ चाह सकते हैं। इस चरण के दौरान यदि आपकी आयु 36 से 48 वर्ष के मध्य है, तो आपको अधिक कष्ट हो सकता है। आपको ईश्वर पर विश्वास करते हुए बुरे समय को निकालना चाहिए।

द्वितिय ढ़ैय्या

08/12/2046 – 06/03/2049

गोचर राशि – धनु

समयावधि :

2.0 y.2.0 m.27 d.

इस चरण में आपको मिश्रित फल प्राप्त होगा। यदि आप कुछ उपाय करें, तो आपको शुभ फल अधिक प्राप्त हो सकते हैं। इस चरण के प्रारम्भ से ही आपको शुभ फल मिलना शुरू हो जाएगा। अपनी मेहनत से आपकी आय में वृद्धि हो सकती है। आप जितनी अधिक मेहनत करेंगे, उससे अधिक आपको शुभ फल प्राप्त होगा। अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें। अत्यधिक कार्य के कारण आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है। आप गुर्दे के रोग एवं कब्ज से पीड़ित हो सकते हैं। लगातार मेहनत एवं कम नींद लेने के कारण आप शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं। आपमें अधिक धन कमाने की चाहत होगी और आप इसके लिए कुछ भी करने को तैयार रहेंगे। आपका दाम्पत्य जीवन सुखद होगा। आपके कुछ रिश्तेदार आपके सुखद जीवन से खुश नहीं हो सकते हैं और वे आपस में झगड़ा करवाने का सतत प्रयास कर सकते हैं।

यदि आप सरकारी नौकरी में हैं, तो आपको कोई विशेष उपलब्धि प्राप्त नहीं हो सकती है। आपको उतना ही प्राप्त होगा, जितनी आप मेहनत करेंगे। अपने अधिकारियों से आपके मधुर संबंध रहेंगे, जिससे भविष्य में आप लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आपको काफी लाभ प्राप्त हो सकता है। अपने व्यवसाय की कोई नई शाखा भी खोल सकते हैं। इस चरण के दौरान आप वरिष्ठ राजनीतिक एवं सामाजिक लोगों के संपक्र में आप सकते हैं। आपके छोटे भाई–बहन भी काफी उन्नति करेंगे। आप अपने परिवार का काफी सहयोग करेंगे। आपके परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। इस दौरान आपका स्वभाव एवं विचार काफी धार्मिक हो सकता है। आप धर्म, ज्योतिष एवं तंत्र–मंत्र पर काफी विश्वास कर सकते हैं। यदि आपकी कुण्डली में शनि पर किसी पापी ग्रह की दृष्टि या कोई अन्य संबंध है, तो अपने पिता से आपके संबंध खराब हो सकते हैं। आपके मित्र एवं परिवार के सदस्य विरोधी हो सकते हैं।

यदि आपकी कुण्डली में किसी पापी ग्रह की दशा चल रही है, तो आप अपनी आर्थिक स्थिति संभालने का प्रयास कर सकते हैं, लेकिन स्थिति और बिगड़ सकती है। आप नाक, कान, गला, त्वचा एवं गुप्त रोगों से ग्रसित रह सकते हैं। यदि आपकी कुण्डली में शुक्र अशुभ प्रभाव में है, तो आपको यौन रोग भी हो सकता है। आपको काफी

सचेत और सावधान रहना चाहिए। सिर में चोट, पत्थर से चोट, गिरने से चोट, बिजली, विष एवं आग से हानि होने की संभावना हो सकती है। अपने अथक प्रयास के बावजूद आप धन संचय नहीं कर सकते हैं। परिवार में अक्सर क्लेश हो सकता है। अपनी संतान से भी अपमानित हो सकते हैं।

इस चरण के अन्त समय में आपको कोई अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है या आपका कोई मनोवांछित कार्य सम्पन्न हो सकता है। आपको धैर्य से काम लेना चाहिए। आपको अक्सर लाभ प्राप्त होते रहेंगे। जिन लोगों ने कभी आपका अपमान किया था या आपसे दूर भागते थे, वे आपसे मित्रता करना चाह सकते हैं। लेकिन ऐसे लोगों से आपको सावधान रहना चाहिए।

द्वितिय ढ़ैय्या

10/07/2049 – 04/12/2049

गोचर राशि – धनु

समयावधि :

0.0 y.4.0 m.25 d.

इस चरण में आपको मिश्रित फल प्राप्त होगा। यदि आप कुछ उपाय करें, तो आपको शुभ फल अधिक प्राप्त हो सकते हैं। इस चरण के प्रारम्भ से ही आपको शुभ फल मिलना शुरू हो जाएगा। अपनी मेहनत से आपकी आय में वृद्धि हो सकती है। आप जितनी अधिक मेहनत करेंगे, उससे अधिक आपको शुभ फल प्राप्त होगा। अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें। अत्यधिक कार्य के कारण आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है। आप गुर्दे के रोग एवं कब्ज से पीड़ित हो सकते हैं। लगातार मेहनत एवं कम नींद लेने के कारण आप शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं। आपमें अधिक धन कमाने की चाहत होगी और आप इसके लिए कुछ भी करने को तैयार रहेंगे। आपका दाम्पत्य जीवन सुखद होगा। आपके कुछ रिश्तेदार आपके सुखद जीवन से खुश नहीं हो सकते हैं और वे आपस में झगड़ा करवाने का सतत प्रयास कर सकते हैं।

यदि आप सरकारी नौकरी में हैं, तो आपको कोई विशेष उपलब्धि प्राप्त नहीं हो सकती है। आपको उतना ही प्राप्त होगा, जितनी आप मेहनत करेंगे। अपने अधिकारियों से आपके मधुर संबंध रहेंगे, जिससे भविष्य में आप लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आपको काफी लाभ प्राप्त हो सकता है। अपने व्यवसाय की कोई नई शाखा भी खोल सकते हैं। इस चरण के दौरान आप वरिष्ठ राजनीतिक एवं सामाजिक लोगों के संपक्र में आप सकते हैं। आपके छोटे भाई–बहन भी काफी उन्नति करेंगे। आप अपने परिवार का काफी सहयोग करेंगे। आपके परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। इस दौरान आपका स्वभाव एवं विचार काफी धार्मिक हो सकता है। आप धर्म, ज्योतिष एवं तंत्र–मंत्र पर काफी विश्वास कर सकते हैं। यदि आपकी कुण्डली में शनि पर किसी पापी ग्रह की दृष्टि या कोई अन्य संबंध है, तो अपने पिता से आपके संबंध खराब हो सकते हैं। आपके मित्र एवं परिवार के सदस्य विरोधी हो सकते हैं।

यदि आपकी कुण्डली में किसी पापी ग्रह की दशा चल रही है, तो आप अपनी आर्थिक स्थिति संभालने का प्रयास

कर सकते हैं, लेकिन स्थिति और बिगड़ सकती है। आप नाक, कान, गला, त्वचा एवं गुप्त रोगों से ग्रसित रह सकते हैं। यदि आपकी कुण्डली में शुक्र अशुभ प्रभाव में है, तो आपको यौन रोग भी हो सकता है। आपको काफी सचेत और सावधान रहना चाहिए। सिर में चोट, पत्थर से चोट, गिरने से चोट, बिजली, विष एवं आग से हानि होने की संभावना हो सकती है। अपने अथक प्रयास के बावजूद आप धन संचय नहीं कर सकते हैं। परिवार में अक्सर क्लेश हो सकता है। अपनी संतान से भी अपमानित हो सकते हैं।

इस चरण के अन्त समय में आपको कोई अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है या आपका कोई मनोवांछित कार्य सम्पन्न हो सकता है। आपको धैर्य से काम लेना चाहिए। आपको अक्सर लाभ प्राप्त होते रहेंगे। जिन लोगों ने कभी आपका अपमान किया था या आपसे दूर भागते थे, वे आपसे मित्रता करना चाह सकते हैं। लेकिन ऐसे लोगों से आपको सावधान रहना चाहिए।

तृतिय ढ़ैय्या

06/03/2049 – 10/07/2049

गोचर राशि – मक.

समयावधि :

0.0 y.4.0 m.5 d.

इस चरण में आपको शुभ फल अधिक प्राप्त हो सकते हैं। हालांकि, बीच–बीच में आपको अपना मनचाहा फल प्राप्त नहीं हो सकता है। इस पूरे चरण के दौरान आप अधिक धन कमाने के लिए काफी मेहनत कर सकते हैं, जिससे आप शारीरिक एवं मानसिक रूप से कमजोर महसूस कर सकते हैं। आपको आर्थिक लाभ प्राप्त होंगे। पिछले समय की तुलना में आप आर्थिक रूप से मजबूत होंगे। अपने मित्रों एवं सहयोगियों के साथ आपके मधुर संबंध होंगे। आप सत्यप्रिय एवं मधुरभाषी होंगे तथा अन्य लोगों से भी ऐसा ही उम्मीद करेंगे। अपने बुरे समय में धन संचय के लिए किए गए कार्यों का शुभ फल प्राप्त कर सकते हैं। अपनी मेहनत से अर्जित धन को खर्च करने में कुछ कंजूसी कर सकते हैं। आप धार्मिक विचारों के हो सकते हैं। कुछ समस्याओं एवं विरोधों के बाद आपको पैतृक सम्पत्ति प्राप्त हो सकती है। आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल होगा एवं आप भूमि या भवन खरीदने का विचार कर सकते हैं।

आप धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में काफी रूचि लेंगे। इस दौरान आपको कोई सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। आपको अपने पुराने बिगड़े संबंधों को ठीक करने का प्रयास करना चाहिए। आपके प्रयास सार्थक होंगे। पहले से चल रहे कार्य पूर्ण होंगे एवं उनसे आप लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आपको अपने खान–पान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। यदि आपकी कुण्डली में किसी पापी ग्रह की दशा चल रही है या शनि पर किसी पापी ग्रह का प्रभाव है, तो आपके कार्यों में रूकावट आ सकती है, जिससे आप मानसिक रूप से परेशान हो सकते हैं। परेशानी में आप किसी नशे के आदी भी हो सकते हैं। लेकिन, यदि आपने किसी नशे का सहारा लिया तो आपकी स्थिति और अधिक खराब हो सकती है। इसलिए आप हर तरह के व्यसन से दूर रहें।

यदि आप नौकरी करते हैं, तो अपने किए किसी काम से अचानक आपको काफी शोहरत मिल सकती है। आपकी पदोन्नति हो सकती है। यदि आपकी कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है या राहु से पीड़ित है, तो नौकरी में अचानक समस्याएं आ सकती हैं। यदि आप स्वयं का व्यवसाय करते हैं, तो अपने विरोधियों एवं कर्मचारियों से सावधान रहें। अपने व्यवसाय का हिसाब–किताब ठीक रखें, अन्यथा आप किसी मुसीबत में फँस सकते हैं। आपमें काफी आत्मविश्वास होगा, जिससे आप अपने रास्ते में आने वाली कठिनाईयों का सामना करने एवं सफलता प्राप्त करने में सक्षम होंगे। कुछ समय के लिए आपके दाम्पत्य जीवन में समस्या आ सकती है, लेकिन आप अपनी समझदारी से समस्या से निजात पाने में सक्षम होंगे। कोई भी नया कार्य सावधानीपूर्वक शुरू करें, सफलता प्राप्त होगी।

तृतिय ढ़ैय्या

04/12/2049 – 25/02/2052

गोचर राशि – मक.

समयावधि :

2.0 y.2.0 m.22 d.

इस चरण में आपको शुभ फल अधिक प्राप्त हो सकते हैं। हालांकि, बीच–बीच में आपको अपना मनचाहा फल प्राप्त नहीं हो सकता है। इस पूरे चरण के दौरान आप अधिक धन कमाने के लिए काफी मेहनत कर सकते हैं, जिससे आप शारीरिक एवं मानसिक रूप से कमजोर महसूस कर सकते हैं। आपको आर्थिक लाभ प्राप्त होंगे। पिछले समय की तुलना में आप आर्थिक रूप से मजबूत होंगे। अपने मित्रों एवं सहयोगियों के साथ आपके मधुर संबंध होंगे। आप सत्यप्रिय एवं मधुरभाषी होंगे तथा अन्य लोगों से भी ऐसा ही उम्मीद करेंगे। अपने बुरे समय में धन संचय के लिए किए गए कार्यों का शुभ फल प्राप्त कर सकते हैं। अपनी मेहनत से अर्जित धन को खर्च करने में कुछ कंजूसी कर सकते हैं। आप धार्मिक विचारों के हो सकते हैं। कुछ समस्याओं एवं विरोधों के बाद आपको पैतृक सम्पत्ति प्राप्त हो सकती है। आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल होगा एवं आप भूमि या भवन खरीदने का विचार कर सकते हैं।

आप धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में काफी रूचि लेंगे। इस दौरान आपको कोई सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। आपको अपने पुराने बिगड़े संबंधों को ठीक करने का प्रयास करना चाहिए। आपके प्रयास सार्थक होंगे। पहले से चल रहे कार्य पूर्ण होंगे एवं उनसे आप लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आपको अपने खान–पान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। यदि आपकी कुण्डली में किसी पापी ग्रह की दशा चल रही है या शनि पर किसी पापी ग्रह का प्रभाव है, तो आपके कार्यों में रूकावट आ सकती है, जिससे आप मानसिक रूप से परेशान हो सकते हैं। परेशानी में आप किसी नशे के आदी भी हो सकते हैं। लेकिन, यदि आपने किसी नशे का सहारा लिया तो आपकी स्थिति और अधिक खराब हो सकती है। इसलिए आप हर तरह के व्यसन से दूर रहें।

यदि आप नौकरी करते हैं, तो अपने किए किसी काम से अचानक आपको काफी शोहरत मिल सकती है। आपकी पदोन्नति हो सकती है। यदि आपकी कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है या राहु से पीड़ित है, तो नौकरी में

अचानक समस्याएं आ सकती हैं। यदि आप स्वयं का व्यवसाय करते हैं, तो अपने विरोधियों एवं कर्मचारियों से सावधान रहें। अपने व्यवसाय का हिसाब–किताब ठीक रखें, अन्यथा आप किसी मुसीबत में फँस सकते हैं। आपमें काफी आत्मविश्वास होगा, जिससे आप अपने रास्ते में आने वाली कठिनाईयों का सामना करने एवं सफलता प्राप्त करने में सक्षम होंगे। कुछ समय के लिए आपके दाम्पत्य जीवन में समस्या आ सकती है, लेकिन आप अपनी समझदारी से समस्या से निजात पाने में सक्षम होंगे। कोई भी नया कार्य सावधानीपूर्वक शुरू करें, सफलता प्राप्त होगी।

कंटक शनि

14/05/2054 – 02/09/2054

गोचर राशि – मीन

समयावधि :

0.0 y.3.0 m.20 d.

इस चरण के दौरान आपको काफी सचेत एवं सावधान रहना चाहिए। आपके जीवन में कई परिवर्तन हो सकते हैं। घरेलू जीवन में भी तनाव या झगड़े हो सकते हैं, जिन्हें टालना आपके एवं आपके भविष्य के लिए बहुत जरूरी है, अन्यथा आपको नुकसान हो सकता है। आप कोई यात्रा कर सकते हैं, जिसमें लाभ होने की काफी संभावना है। लेकिन इस लाभ के लिए आपको काफी मेहनत करनी पड़ सकती है, अन्यथा आप मौके का फायदा उठाने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। इस दौरान आप मकान या संपत्ति के किसी विवाद से दूर रहें, अन्यथा आपको हानि के साथ–साथ उलझन हो सकती है। किसी के उकसावे में ना आयें। आपके परिवार में कोई मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकता है। नीचले तबके की स्त्रियों से दूर रहें, उनके साथ किसी तरह का संबंध बनने की संभावना है। आपको किसी अपने विशेष से हानि हो सकती है।

इस चरण की शुरूआत से ही आप समस्याओं से ग्रस्त रह सकते हैं। आप समाज में अपमानित भी हो सकते हैं। इस चरण के मध्य में अपको अपने मित्रों से मदद प्राप्त हो सकती है। आपको अपनी वाणी एवं क्रोध पर नियंत्रण रखना चाहिए, अन्यथा लाभ की जगह हानि हो सकती है। किसी विशेष मेहमान के आने से मन खुश रहेगा। अधिक मेहनत के कारण आप अक्सर थकान महसूस कर सकते हैं। आप जितना अधिक मेहनत करेंगे, उतना अधिक फल प्राप्त होगा। विवादों से दूर रहना आपके लिए श्रेष्ठकर होगा। आपको अपनी संतान पर अचानक खर्च करना पड़ सकता है। संपत्ति के लिए भाई–बंधुओं से विवाद हो सकता है। आपको अदालती कार्यवाई से लाभ प्राप्त हो सकता है या आप कोई पुराना मुकदमा जीत सकते हैं। आप धार्मिक कार्यों में काफी रूचि ले सकते हैं। आप किसी धार्मिक या सामाजिक आयोजन कराने वाली समिति के सक्रिय सदस्य हो सकते हैं। सम्माननीय लोगों का प्रत्यक्ष सहयोग प्राप्त होगा। धन का आवागमन लगा रहेगा, लेकिन आपको आर्थिक समस्या नहीं आएगी।

बड़ी संतान की ओर से आपको कुछ शुभ समाचार प्राप्त हो सकते हैं। आपकी संतान को कोई विशेष उपलब्धि प्राप्त हो सकती है। आपके शत्रु आपको हानि पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। किसी भी कागज पर बिना पढ़े हस्ताक्षर ना करें। आपका कोई खास मित्र आपको धोखा दे सकता है। आपके कार्यक्षेत्र में कुछ तनाव हो सकता

है। यदि आप नौकरी करते हैं, तो किसी सहयोगी या वरिष्ठ अधिकारी के मेल से लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यह लाभ आपके लिए एक लालच भी हो सकता है, जिससे आपसे भविष्य में कोई गलत कार्य करवाया जा सके। आपको अपने किसी सहयोगी की गलती का खामियाजा भी भुगतना पड़ सकता है। इन सब कारणों से आप तनाव महसूस कर सकते हैं।

आपकी हर सफाई बेकार होगी और लोग आप पर विश्वास नहीं कर सकते हैं। आपकी सतक्रता एवं सावधानी ही आपकी मदद कर सकती है। किसी पुराने रोग के उभरने से आपको शल्यक्रिया भी करवानी पड़ सकती है। आप किसी धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं, जहां चोरी से हानि होने की संभावना हो सकती है। यदि आप स्वय का व्यवसाय करते हैं, तो आपको कुछ सफलता प्राप्त हो सकती है। आप किसी नए व्यवसाय में भी भाग्य आजमा सकते हैं। कोई भी नया काम हाथ में लेने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आप समय पर उसकी पूर्ति कर सकते हैं, अन्यथा आप दण्ड के भी भागी बन सकते हैं।

कंटक शनि

05/02/2055 – 07/04/2057

गोचर राशि – मीन

समयावधि :

2.0 y.2.0 m.1 d.

इस चरण के दौरान आपको काफी सचेत एवं सावधान रहना चाहिए। आपके जीवन में कई परिवर्तन हो सकते हैं। घरेलू जीवन में भी तनाव या झगड़े हो सकते हैं, जिन्हें टालना आपके एवं आपके भविष्य के लिए बहुत जरूरी है, अन्यथा आपको नुकसान हो सकता है। आप कोई यात्रा कर सकते हैं, जिसमें लाभ होने की काफी संभावना है। लेकिन इस लाभ के लिए आपको काफी मेहनत करनी पड़ सकती है, अन्यथा आप मौके का फायदा उठाने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। इस दौरान आप मकान या संपत्ति के किसी विवाद से दूर रहें, अन्यथा आपको हानि के साथ–साथ उलझन हो सकती है। किसी के उकसावे में ना आयें। आपके परिवार में कोई मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकता है। नीचले तबके की स्त्रियों से दूर रहें, उनके साथ किसी तरह का संबंध बनने की संभावना है। आपको किसी अपने विशेष से हानि हो सकती है।

इस चरण की शुरूआत से ही आप समस्याओं से ग्रस्त रह सकते हैं। आप समाज में अपमानित भी हो सकते हैं। इस चरण के मध्य में अपको अपने मित्रों से मदद प्राप्त हो सकती है। आपको अपनी वाणी एवं क्रोध पर नियंत्रण रखना चाहिए, अन्यथा लाभ की जगह हानि हो सकती है। किसी विशेष मेहमान के आने से मन खुश रहेगा। अधिक मेहनत के कारण आप अक्सर थकान महसूस कर सकते हैं। आप जितना अधिक मेहनत करेंगे, उतना अधिक फल प्राप्त होगा। विवादों से दूर रहना आपके लिए श्रेष्ठकर होगा। आपको अपनी संतान पर अचानक खर्च करना पड़ सकता है। संपत्ति के लिए भाई–बंधुओं से विवाद हो सकता है। आपको अदालती कार्यवाई से लाभ प्राप्त हो सकता है या आप कोई पुराना मुकदमा जीत सकते हैं। आप धार्मिक कार्यों में काफी रूचि ले सकते हैं। आप किसी धार्मिक या सामाजिक आयोजन कराने वाली समिति के सक्रिय सदस्य हो सकते हैं। सम्माननीय लोगों

का प्रत्यक्ष सहयोग प्राप्त होगा। धन का आवागमन लगा रहेगा, लेकिन आपको आर्थिक समस्या नहीं आएगी।

बड़ी संतान की ओर से आपको कुछ शुभ समाचार प्राप्त हो सकते हैं। आपकी संतान को कोई विशेष उपलब्धि प्राप्त हो सकती है। आपके शत्रु आपको हानि पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। किसी भी कागज पर बिना पढ़े हस्ताक्षर ना करें। आपका कोई खास मित्र आपको धोखा दे सकता है। आपके कार्यक्षेत्र में कुछ तनाव हो सकता है। यदि आप नौकरी करते हैं, तो किसी सहयोगी या वरिष्ठ अधिकारी के मेल से लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यह लाभ आपके लिए एक लालच भी हो सकता है, जिससे आपसे भविष्य में कोई गलत कार्य करवाया जा सके। आपको अपने किसी सहयोगी की गलती का खामियाजा भी भुगतना पड़ सकता है। इन सब कारणों से आप तनाव महसूस कर सकते हैं।

आपकी हर सफाई बेकार होगी और लोग आप पर विश्वास नहीं कर सकते हैं। आपकी सतक्रता एवं सावधानी ही आपकी मदद कर सकती है। किसी पुराने रोग के उभरने से आपको शल्यक्रिया भी करवानी पड़ सकती है। आप किसी धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं, जहां चोरी से हानि होने की संभावना हो सकती है। यदि आप स्वय का व्यवसाय करते हैं, तो आपको कुछ सफलता प्राप्त हो सकती है। आप किसी नए व्यवसाय में भी भाग्य आजमा सकते हैं। कोई भी नया काम हाथ में लेने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आप समय पर उसकी पूर्ति कर सकते हैं, अन्यथा आप दण्ड के भी भागी बन सकते हैं।

अष्टम शनि

24/08/2063 – 06/02/2064

गोचर राशि – कर्क

समयावधि :

0.0 y.5.0 m.14 d.

इस चरण का फल आपकी कुण्डली में शनि की स्थिति पर अधिक निर्भर करता है। आपकी कुण्डली में शनि यदि शुक्र के प्रभाव में अधिक है, तो आपको अशुभ फल अधिक प्राप्त हो सकता है। इस चरण की शुरूआत में ही आपको सत्तापक्ष या अदालत से अशुभ समाचार प्राप्त हो सकता है या कोई दण्ड मिल सकता है। इसलिए जहां तक संभव हो सके, अदालती कार्य को टालें एवं कोई भी ऐसा कार्य ना करें, जिससे अदालत से आपका संपक्र हो। आपको कोई रूका हुआ धन प्राप्त हो सकता है, लेकिन जितनी तेजी से प्राप्त होगा, उतनी ही तेजी से खर्च भी हो सकता है। आपको फोन या पत्र के माध्यम से कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। आप किसी महिला के संपक्र में आ सकते हैं, जिससे आपको सामाजिक एवं पारिवारिक रूप से अपमानित होना पड़ सकता है एवं आर्थिक हानि भी हो सकती है। आपकी पैतृक संपत्ति का बंटवारा भी हो सकता है। संपत्ति के लिए अपने भाइयों से आपका विवाद भी हो सकता है। यदि यह विवाद पुलिस तक पहुंच गया तो आपको अधिक हानि हो सकती है।

धन संबंधी मामलों में सावधानी बरतें। चोरी या उधार दिया हुआ धन वापस मिलने की संभावना नहीं है। कहीं भी

सोच–समझकर ही धन का निवेश करें। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आपको कुछ हानि हो सकती है। आपका भुगतान रूक सकता है एवं संस्थान में चोरी की भी कुछ संभावनाएं हैं। आपका आर्थिक संतुलन बिगड़ सकता है। लेनदार आप पर हावी रहेंगे। किसी दूरस्थ स्थान की कोई व्यावसायिक यात्रा कर सकते हैं, लेकिन यहां भी आपको हानि हो सकती है। अपनी वाणी एवं क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा इससे भी आपको हानि हो सकती है। यदि आप नौकरी करते हैं, तो आपका स्थानान्तरण हो सकता है या अचानक हुई किसी गलती के कारण आपको हानि हो सकती है। यदि आपसे अनजाने में कोई गलती हुई है, तो अपने वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष स्वीकार कर लें। आपके सहकर्मी आपका विरोध कर सकते हैं एवं बड़े अधिकारियों से आपकी झूठी शिकायत कर सकते हैं।

चरण के मध्य में आपका कोई अधूरा कार्य पूर्ण हो सकता है, जिससे आप खुश हो सकते हैं। आपको मान–सम्मान के साथ–साथ आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो सकता है। किसी पुराने मित्र से आपकी मुलाकात हो सकती है। आप महत्वपूर्ण लोगों के संपक्र में आ सकते हैं एवं अपने प्रयासों से आप इनसे लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। मौके को हाथ से ना जाने दें। दूसरे क्षेत्रों में भी आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। आप किसी वृद्ध व्यक्ति के सहयोग से बड़ा लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आपकी आय में बढ़ोत्तरी होगी। परिवार के कारण आप चिन्तित रह सकते हैं। चरण के अन्त समय में कोई नया कार्य शुरू ना करें। वाहन चलाने में विशेष सावधानी बरतें।

अष्टम शनि

09/05/2064 – 13/10/2065

गोचर राशि – कर्क

समयावधि :

1.0 y.5.0 m.5 d.

इस चरण का फल आपकी कुण्डली में शनि की स्थिति पर अधिक निर्भर करता है। आपकी कुण्डली में शनि यदि शुक्र के प्रभाव में अधिक है, तो आपको अशुभ फल अधिक प्राप्त हो सकता है। इस चरण की शुरूआत में ही आपको सत्तापक्ष या अदालत से अशुभ समाचार प्राप्त हो सकता है या कोई दण्ड मिल सकता है। इसलिए जहां तक संभव हो सके, अदालती कार्य को टालें एवं कोई भी ऐसा कार्य ना करें, जिससे अदालत से आपका संपक्र हो। आपको कोई रूका हुआ धन प्राप्त हो सकता है, लेकिन जितनी तेजी से प्राप्त होगा, उतनी ही तेजी से खर्च भी हो सकता है। आपको फोन या पत्र के माध्यम से कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। आप किसी महिला के संपक्र में आ सकते हैं, जिससे आपको सामाजिक एवं पारिवारिक रूप से अपमानित होना पड़ सकता है एवं आर्थिक हानि भी हो सकती है। आपकी पैतृक संपत्ति का बंटवारा भी हो सकता है। संपत्ति के लिए अपने भाइयों से आपका विवाद भी हो सकता है। यदि यह विवाद पुलिस तक पहुंच गया तो आपको अधिक हानि हो सकती है।

धन संबंधी मामलों में सावधानी बरतें। चोरी या उधार दिया हुआ धन वापस मिलने की संभावना नहीं है। कहीं भी सोच–समझकर ही धन का निवेश करें। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आपको कुछ हानि हो सकती है। आपका

भुगतान रूक सकता है एवं संस्थान में चोरी की भी कुछ संभावनाएं हैं। आपका आर्थिक संतुलन बिगड़ सकता है। लेनदार आप पर हावी रहेंगे। किसी दूरस्थ स्थान की कोई व्यावसायिक यात्रा कर सकते हैं, लेकिन यहां भी आपको हानि हो सकती है। अपनी वाणी एवं क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा इससे भी आपको हानि हो सकती है। यदि आप नौकरी करते हैं, तो आपका स्थानान्तरण हो सकता है या अचानक हुई किसी गलती के कारण आपको हानि हो सकती है। यदि आपसे अनजाने में कोई गलती हुई है, तो अपने वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष स्वीकार कर लें। आपके सहकर्मी आपका विरोध कर सकते हैं एवं बड़े अधिकारियों से आपकी झूठी शिकायत कर सकते हैं।

चरण के मध्य में आपका कोई अधूरा कार्य पूर्ण हो सकता है, जिससे आप खुश हो सकते हैं। आपको मान–सम्मान के साथ–साथ आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो सकता है। किसी पुराने मित्र से आपकी मुलाकात हो सकती है। आप महत्वपूर्ण लोगों के संपक्र में आ सकते हैं एवं अपने प्रयासों से आप इनसे लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। मौके को हाथ से ना जाने दें। दूसरे क्षेत्रों में भी आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। आप किसी वृद्ध व्यक्ति के सहयोग से बड़ा लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आपकी आय में बढ़ोत्तरी होगी। परिवार के कारण आप चिन्तित रह सकते हैं। चरण के अन्त समय में कोई नया कार्य शुरू ना करें। वाहन चलाने में विशेष सावधानी बरतें।

अष्टम शनि

03/02/2066 – 03/07/2066

गोचर राशि – कर्क

समयावधि :

0.0 y.4.0 m.28 d.

इस चरण का फल आपकी कुण्डली में शनि की स्थिति पर अधिक निर्भर करता है। आपकी कुण्डली में शनि यदि शुक्र के प्रभाव में अधिक है, तो आपको अशुभ फल अधिक प्राप्त हो सकता है। इस चरण की शुरूआत में ही आपको सत्तापक्ष या अदालत से अशुभ समाचार प्राप्त हो सकता है या कोई दण्ड मिल सकता है। इसलिए जहां तक संभव हो सके, अदालती कार्य को टालें एवं कोई भी ऐसा कार्य ना करें, जिससे अदालत से आपका संपक्र हो। आपको कोई रूका हुआ धन प्राप्त हो सकता है, लेकिन जितनी तेजी से प्राप्त होगा, उतनी ही तेजी से खर्च भी हो सकता है। आपको फोन या पत्र के माध्यम से कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। आप किसी महिला के संपक्र में आ सकते हैं, जिससे आपको सामाजिक एवं पारिवारिक रूप से अपमानित होना पड़ सकता है एवं आर्थिक हानि भी हो सकती है। आपकी पैतृक संपत्ति का बंटवारा भी हो सकता है। संपत्ति के लिए अपने भाइयों से आपका विवाद भी हो सकता है। यदि यह विवाद पुलिस तक पहुंच गया तो आपको अधिक हानि हो सकती है।

धन संबंधी मामलों में सावधानी बरतें। चोरी या उधार दिया हुआ धन वापस मिलने की संभावना नहीं है। कहीं भी सोच–समझकर ही धन का निवेश करें। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आपको कुछ हानि हो सकती है। आपका भुगतान रूक सकता है एवं संस्थान में चोरी की भी कुछ संभावनाएं हैं। आपका आर्थिक संतुलन बिगड़ सकता है।

लेनदार आप पर हावी रहेंगे। किसी दूरस्थ स्थान की कोई व्यावसायिक यात्रा कर सकते हैं, लेकिन यहां भी आपको हानि हो सकती है। अपनी वाणी एवं क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा इससे भी आपको हानि हो सकती है। यदि आप नौकरी करते हैं, तो आपका स्थानान्तरण हो सकता है या अचानक हुई किसी गलती के कारण आपको हानि हो सकती है। यदि आपसे अनजाने में कोई गलती हुई है, तो अपने वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष स्वीकार कर लें। आपके सहकर्मी आपका विरोध कर सकते हैं एवं बड़े अधिकारियों से आपकी झूठी शिकायत कर सकते हैं।

चरण के मध्य में आपका कोई अधूरा कार्य पूर्ण हो सकता है, जिससे आप खुश हो सकते हैं। आपको मान–सम्मान के साथ–साथ आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो सकता है। किसी पुराने मित्र से आपकी मुलाकात हो सकती है। आप महत्वपूर्ण लोगों के संपक्र में आ सकते हैं एवं अपने प्रयासों से आप इनसे लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। मौके को हाथ से ना जाने दें। दूसरे क्षेत्रों में भी आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। आप किसी वृद्ध व्यक्ति के सहयोग से बड़ा लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आपकी आय में बढ़ोत्तरी होगी। परिवार के कारण आप चिन्तित रह सकते हैं। चरण के अन्त समय में कोई नया कार्य शुरू ना करें। वाहन चलाने में विशेष सावधानी बरतें।

शनि की सा–साढ़ेसाती या –ढ़ैय्या के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिए नीचे लिखे उपायों को करें–

मंत्र–

1– महामृत्युंजय मंत्र का सवा लाख जाप (रोज 10 माल, 125 दिन) करें।

ऊँ त्रयम्बकम् यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्द्धनं।
उर्वारूकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।।

2– शनि के निम्नदत्त मंत्र का 21 दिन में 23 हजार जाप करें–

ऊँ शन्नोदेवीरभिष्टय आपो भवन्तु पीतये।
शंयोरभिस्रवन्तु नः। ऊँ शं शनैश्चराय नमः।।

3– पौराणिक शनि मंत्र–

ऊँ नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्।
छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम्।।

स्तोत्र

नीचे लिखे शनि स्तोत्र का 11 बार पाठ करें या दशरथ कृत शनि स्तोत्र का पाठ करें।

कोणस्थः पिंगलो बभ्रुः कृष्णो रौद्रोऽन्तको यमः।
सौरिः शनैश्चरो मन्दः पिप्पलादेन संस्तुतः।।
तानि शनि–नामामि जपेदश्वत्थसन्निधौ।
शनैश्चरकृता पीड़ा न कदाचिद् भविष्यति।।

साढ़ेसाती पीड़ानाशक स्तोत्र– पिप्पलाद के अनुसार–

नमस्ते कोणसंस्थय पिंड्गलाय नमोस्तुते।

नमस्ते बभ्रु रूपाय कृष्णाय च नमोस्तु ते।।

नमस्ते रौद्रदेहाय नमस्ते चान्तकाय च।नमस्ते यमसंज्ञाय नमस्ते सौरये विभो।।नमस्ते यमदसंज्ञाय शनैश्वर नमोस्तु ते।प्रसादं कुरु देवेश दीनस्य प्रणतस्य च।।

रत्न –

शनिवार के दिन काले घोड़े की नाल या नाव के तली की कील का छल्ला बनाकर मध्यमा उंगली में धारण करना चाहिए।

व्रत –

शनि वार का व्रत रखना चाहिए एवं शनि देव की पूजा करनी चाहिए। शनिवार व्रतकथा पढ़ने से भी लाभ प्राप्त होता है। व्रत के दौरान दिन में फलाहार करें, एवं सायंकाल हनुमान जी या भौरव जी का दर्शन करना चाहिए। रात्रि में काले उड़द की खिचड़ी (काला नमक मिला सकते हैं) या उड़द की दाल का मीठा हलवा ग्रहण कर सकते हैं।

दान –

शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए उड़द, तेल, नीलम, तिल, भैंस, लोहा एवं काला कपड़ा दान करना चाहिए।

औषधि –

हर शनिवार को सुरमा, काले तिल, सौंफ और नागरमोथा मिले हुए जल से स्नान करना चाहिए।

राशि वालों के लिए शनि की साढ़ेसाती एवं –ढ़ैय्या के सामान्य उपाय–

1– वृद्ध व्यक्तियों का आदर करें एवं जरूरत पड़ने पर हर संभव मदद करें।

2– किसी लावारिस शव पर कफन देने का मौका मिले तो जरूर दें।

3– गुरूवार एवं शनिवार को पीपल की सेवा अवश्य करें तथा जल अर्पित करें।

4– शनिवार को किसी वृद्ध मजदूर को भोजन करायें।

5– पुरुषाकार श्री शनि यंत्र को अपने पूजास्थान में जगह देकर नित्य दर्शन एवं पूजन करें।

शनि की साढ़ेसाती एवं –ढ़ैय्या के विशेष उपाय –

यदि आपकी कुण्डली में शनि शुभ है, तो भैरोंजी एवं शनिदेव की पूजा–अर्चना कर शनि को और बल देकर लाभ प्राप्त किया जा सकता है। यदि शनि अशुभ या दूषित है, तो शनि के उपाय कर अशुभ फल को खत्म एवं लाभ प्राप्त किया जा सकता है। यदि आपकी कुण्डली में साढ़ेसाती चल रही है या आप शनिकृत कष्ट भोग रहें हैं, तो नीचे लिखे उपायों को करने से आप लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

1– शनि का छाया दान करें एवं नीलम या इसका उपरत्न धारण करें।

2– शनिवार को काली गाय की सेवा करें। तिलक–बिन्दी कर उसके सींग पर कलावा बांध कर बूंदी के आठ लड्डू खिलायें एवं चरण स्पर्श करें।

3– काले कुत्ते को नियमित रूप से मीठी रोटी खिलायें।

4– यदि आपकी कुण्डली में शनि लग्न में बैठा है, तो जमीन में सुरमा गाड़ें।

5– शनिवार का व्रत रखें तथा पीपल की सेवा करें एवं मीठा जल अर्पित करें।

6– मद्यपान ना करें।

7– शनिवार को अंधेरा होने पर पीपल के वृक्ष पर हनुमान जी का स्मरण कर तिल के तेल के दीपक में सिंदूर डालकर लाल पुष्प अर्पित करें।

8– भोजन में काली मिर्च एवं काला नमक का प्रयोग अवश्य करें।

9– शनिवार को काले घोड़े के पैर की मिट्टी काले कपड़े में बांधकर ताबीज के रूप में धारण करें।

10– शनिवार को आप एक माप की आठ बोतलें लें, और हर बोतल में एक ही माप का सरसों तेल भरें। प्रत्येक में आठ साबुत उड़द के दाने एवं एक कील डालें। फिर आठों बोतलों को अपने उपर से आठ बार उसार कर बहते जल में प्रवाहित करें। यह क्रिया लगातार आठ शनिवार करें।

11– नियमित रूप से शनि चालीसा एवं उनके 108 नामों का उच्चारण करें।

12– प्रातः उठते ही बासी मुख से शनिदेव के दस नामों का उच्चारण तथा द्वाद्वशज्योतिर्लिंग के नामों का उच्चारण करें।

13– प्रत्येक शनिवार को काले कुत्ते को रोटी पर सरसों का तेल चुपड़ कर गुड़ रख कर खिलायें एवं बन्दरों को चने खिलायें।

14– शुक्रवार को लोहे के बर्तन में आठ किलो चने भिगों दें। शनिवार को काले कपड़े में सारे चने रखें। साथ में 800 ग्राम काली उड़द और इतने ही काले तिल के साथ इतने ही जौ एवं एक लोहे की पत्ती रखें। इसकी पोटली बनाकर ऐसे स्थान पर डालें जहां मछलियां हों। यह क्रिया लगातार आठ माह करें। शुरू में आठ माह करें, इसके बाद वर्ष में सिर्फ एक बार पर्याप्त होगा।

15– अंधेरा होने के बाद आटा मिश्रित उड़द का दीपक बनाकर उसमें दो बत्ती जो जलने पर एक ही लौ दे, सरसों के तेल में जलायें। एक दीपक पीपल एवं एक दीपक वट वृक्ष पर अर्पित करें। साथ ही गुग्गुल की धूप एवं चंदन की अगरबत्ती भी अर्पित करें। यह उपाय पहले शनिवार से शुरू करें।

16– प्रथम शनिवार को आठ मीटर काले कपड़े में 800 ग्राम की मात्रा में काली उड़द, चावल, गुड़, काली सरसों, काले तिल, जौ, आठ बड़ी कीलें तथा एक–एक सुरमा एवं इत्र की शीशी को कपड़े में बांधकर पोटली का रूप दे दें। अलग से 10 छिलके वाले बादाम लेकर किसी भी हनुमान मंदिर में जायें और पोटली एवं बादाम मंदिर में हीं कहीं रख दें। फिर स्टील की कटोरी में सिंदूर को चमेली के तेल से गीला कर प्रसाद एवं पीले फूलों के साथ प्रभु को अर्पित करें। बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ करें, और सात बार परिक्रमा करें। तत्पश्चात पोटली मंदिर में ही छोड़ दें। दस बादाम में से आधे बादाम भी मंदिर में ही छोड़ दें और बाकी के बादाम लाकर किसी नये लाल कपड़े में बांधकर अपने धन रखने के स्थान पर रख दें। कष्टमुक्ति के साथ लाभ प्राप्त होगा।

17– आठ शनिवार लगातार किसी ब्राह्मण को उड़द की दाल की खिचड़ी खिलायें। दान में काले कपड़े में उड़द की दाल की ही खिचड़ी बांधकर आठ सिक्के के रूप में दक्षिणा दें।

18– पहले शनिवार को अपने से 19गुना अधिक काला धागा लेकर उसे एक माला का रूप दें, जो गले में पहनी जा सके। किसी भी शनि मंत्र से अभिमंत्रित कर धूप दिखायें। फिर उस माला को गले में धारण करें। तुरंत लाभ मिलेगा।

19– शनिवार को घर में पूजास्थल में बैठकर यह क्रिया करें। इस क्रिया में आठ उड़द मिश्रित दीपक बनाकर उसमें सरसों का तेल भरें। दीपक में दो बत्तियां बनाकर उन्हें एक साथ जलायें, ताकि जलने पर एक ही लौ दे। दीपक में थोड़ा सा सिन्दूर के साथ काले घोड़े की नाल का छल्ला एवं एक कील डालें। काले हकीक की माला से किसी भी शनि मंत्र का 11 माला जाप करें और प्रणाम कर उठ जायें। अगले दिन छल्ला निकालकर दायें हाथ की मध्यमा में धारण करें और दीपक किसी पीपल पर अर्पित कर दें।

20– प्रत्येक शनिवार को आप चोकर सहित तीन मोटी रोटियां अपने ही हाथ से बनायें। एक रोटी के एक ओर सरसों एवं दूसरी ओर शुद्ध घी लगायें। अन्य दो रोटियों में से एक पर घी और एक पर सरसों का तेल चुपड़कर उस पर गुड़ रखें। दोनों ओर चुपड़ी रोटी काली गाय को, सरसों के तेल वाली रोटी कुत्ते को एवं घी चुपड़ी रोटी किसी गरीब मजदूर को दे दें।

21– शमी वृक्ष या बिछुआ की जड़ को शनिपुष्य या शनिवार के श्रवण नक्षत्र में लाकर काले कपड़े में बांध कर अपनी दायीं भुजा पर बांधें। तुरन्त लाभ होगा।

22– किसी भी पहले शनिवार को आप आठ मीटर काला कपड़ा, एक जटा नारियल, काले तिल, काली उड़द, गुड़, जौ, काली सरसों, काला नमक प्रत्येक सामग्री 800 ग्राम, हवन सामग्री, आठ बड़ी टोपीदार कील, इतने ही सिक्के तथा बोतल में 800 ग्राम सरसों एवं चमेली का तेल, दो शीशी काजल तथा दो शीशी काले सुरमे लेकर कपड़े की पोटली बना दें। अपने सिर से सात बार उसार कर किसी डाकौत को दान कर दें। यह उपाय लगातार आठ माह करें। फिर वर्ष में दो बार कर सकते हैं।

23– मांस–मदिरा से दूर रहें।

24– किसी के सामने अपनी समस्याओं या कष्टों के बारे में बात ना करें।

25– घर के मुख्य द्वार की देहरी पर चाँदी का पत्तर दबायें।

26– काले वस्त्र धारण करें।

27– घर के किसी अंधेरे भाग में किसी लोहे के पात्र में सरसों का तेल भरकर उसमें ताँबे के सिक्के डालकर रखें।

28– शनिदेव की कोई भी वस्तु बिना पैसे दिये किसी से भी ना लें।

29– काले घोड़े की नाल लाकर घर के मुख्य द्वार के नीचे दबायें।

30– शनिवार को काले घोड़े की पूंछ के आठ बाल लेकर उन्हें किसी लकड़ी की डिब्बी में रखकर 43 दिन तक अपने शयनकक्ष में रखें। अंतिम दिन बाल को जलाकर उसकी राख को सरसों के तेल में मिलाकर बहते जल में प्रवाहित कर दें।

31– शुक्रवार को 800 ग्राम काले तिल पानी में भिगों दें। अगले दिन उन्हें पीस कर गुड़ के साथ मिलाकर लड्डू

बनायें और काले घोड़े को खिलायें। यह उपाय आठ शनिवार करें।

32– सा–साढ़ेसाती के दौरान अपनी पैतृक संपत्ति ना बेचें। अधिक कष्ट में पड़ सकते हैं।

33– रात्रि के समय सिर्फ शनि का दान करें, किसी को शनि की वस्तु ना दें।

34– नियमित रूप से महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें, कष्टों में कमी आयेगी।

35– शनिवार को श्री भैरों मंदिर में शराब अर्पित करें, कष्टों में कमी आयेगी।

36– किसी शनिवार को वीराने स्थान में आठ शीशी सुरमें दबायें।

37– शिवलिंग पर दूध से अभिषेक करें।

38– प्रत्येक शनिवार को किसी सिद्ध हनुमान मंदिर में नारियल अर्पित करें।

39– अपने शयनकक्ष के पलंग के चारों पायों में लोहे की कील ठुकवायें।

40– अपने घर के दक्षिण एवं पश्चिम में कोई पत्थर की शिला रखें।

क्पेबसंपउमत

The calculations, future predictions, and remedies given in this Astrological Report are all based on the principles of either on Vedic Astrology, KP System, Jaimini or Lal Kitab, Numerology which are the result of consulting and engaging highly learned astrologers and astrology practitioners. This Report will prove to be highly useful for astrologers and practitioners of Astrology. We earnestly request the common users of this Report that they should not follow the Lal Kitab and or other prediction/remedies given in this Report without consulting a learned astrologer or an expert on this subject. Failing to do so might lead you to unexpected results which may or may not be favorable towards your well-being.

www.webjyotishi.com/MindSutra Software Technologies makes no warranty about the accuracy of any data contained herein, and the native is advised to not to take as conclusive any prediction generated for him. If you follow the advice given in this report you do so at your own risk, ww.webjyotishi.com/ MindSutra Software Technologies or any of its associates are not responsible for the consequence of any event or action.

www.webjyotishi.com/MindSutra Software Technologies shall not stand liable for any damages or harm done.

All disputes are subject to New Delhi Jurisdiction only.

Wishing the very best – prosperity and happiness.

Prepared by webjyotishi.com on 07 November 2017, 01:28:14PM
Please visit us at https://www.webjyotishi.com Email: mindsutra@mindsutra.com
Phone: +91 98181 93410

MindSutra Software Technologies
A-16, Ramdutt Enclave, Milap Nagar,
Uttam Nagar, New Delhi-110059